ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- प्रतिपदा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 311 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

17 मई 2026 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

42.4 अधिकतम

28.8 न्यूनतम

Page-7

एआई चिप्स से ताइवान तक... अमेरिका-चीन टकराव का अगला मोर्चा

दुनिया इस समय जिस तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रही है, उसमें एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भविष्य की बड़ी शक्ति बनकर उभर रही है। यही वजह है कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव अब केवल व्यापार युद्ध नहीं रह गया, बल्कि तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई में बदल चुका है। और इस लड़ाई का सबसे संवेदनशील केंद्र बन गया है ताइवान।

विश्लेषण

राजेश सिरोठिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चीन यात्रा के दौरान जेंनसेन हुआंग जैसे टेक दिग्गजों की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि आने वाले समय की भू-राजनीति में एआई चिप्स और सेमीकंडक्टर निर्णायक भूमिका निभाने वाले हैं।

आज आधुनिक हथियारों से लेकर डेटा सेंटर, सुपर कंप्यूटर, ड्रोन, साइबर सुरक्षा और एएआई मॉडल, सबकी बुनियाद अत्याधुनिक चिप्स पर टिकी है। यही कारण है कि अमेरिका ने चीन को हाई-एंड एआई चिप्स और उन्नत सेमीकंडक्टर तकनीक की बिक्री पर कई प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका की सबसे बड़ी चिंता यह है कि यदि चीन अत्याधुनिक एआई प्रोसेसिंग क्षमता हासिल कर लेता है, तो वह सैन्य और तकनीकी दोनों मोर्चों पर तेजी से आगे

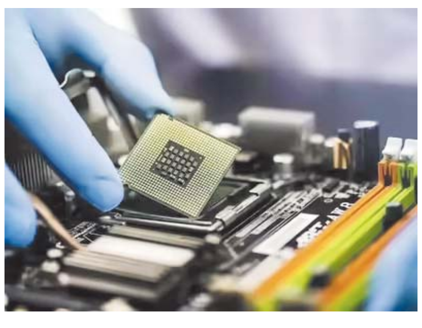

निकल सकता है। यही वजह है कि वॉशिंगटन अब सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा मानने लगा है।

इस पूरे संघर्ष में ताइवान की भूमिका सबसे अहम है। दुनिया की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनियों में शामिल टीएसएमसी वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग की रीढ़ मानी जाती है। दुनिया की बड़ी टेक कंपनियां ऐपल, एनवीडिया और क्वालकॉम काफी हद तक ताइवान की चिप उत्पादन क्षमता पर निर्भर हैं। यही कारण है कि ताइवान अब केवल एक द्वीप नहीं बल्कि वैश्विक तकनीकी शक्ति संतुलन का केंद्र बन चुका है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका वन चाइना पॉलिसी की औपचारिक स्वीकार्यता के बावजूद ताइवान को सैन्य और तकनीकी समर्थन देता रहा है। यही टकराव भविष्य में बड़ा संकट पैदा कर सकता है।

भविष्य की वैश्विक सत्ता की जंग

यदि कभी ताइवान की खाड़ी में सैन्य तनाव बढ़ता है, तो उसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। स्मार्टफोन से लेकर ऑटोमोबाइल और रक्षा उद्योग तक, लगभग हर सेक्टर प्रभावित होगा। यही वजह है कि अमेरिका अब अपने सहयोगी देशों में वैकल्पिक चिप निर्माण केंद्र विकसित करने की कोशिश कर रहा है। जापान, दक्षिण कोरिया और भारत भी इस रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। असल में एआई चिप्स की यह लड़ाई केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि भविष्य की वैश्विक सत्ता तय करने वाली जंग बन चुकी है। आने वाले वर्षों में संभव है कि युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं बल्कि माइक्रोचिप्स, डेटा और एल्गोरिदम के जरिए लड़े जाएं।

पंजाब-बेंगलुरु, समय : शाम 3.30 बजे

न्यूज विंडो

एम्सटर्डम से आ रहे विमान में बम रखे होने की धमकी

हैदराबाद। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आज उस समय हड़कंप मच गया, जब एम्सटर्डम से आ रहे एक विमान में बम होने की धमकी भरा ईमेल मिला। इसके बाद पूरे एयरपोर्ट को हाई अलर्ट पर रख दिया गया। पिछले तीन दिनों में हैदराबाद एयरपोर्ट को निशाना बनाकर भेजी गई यह तीसरी ऐसी धमकी है। एक अज्ञात व्यक्ति से ईमेल प्राप्त हुआ। इस ईमेल में दावा किया गया था कि कुआलालंपुर एयरवेज की एक फ्लाइट, जो एम्सटर्डम से हैदराबाद आ रही थी, उसमें एक मानवरहित बम रखा गया है। ईमेल में यह भी चेतावनी दी गई थी कि यह विस्फोट गंतव्य तक पहुंचने से काफी पहले, किसी भी समय हो सकता है।

केदारनाथ हेली टिकट ठगी में 550 प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ हेलीकॉप्टर टिकट ठगी पर रुद्रप्रयाग पुलिस ने बडी कार्रवाई की है। लगभग 550 फेक प्लेटफार्म पर कार्रवाई की गई है। एसपी निहारिका तोमर ने बताया कि, 'केदारनाथ धाम यात्रा के लिए कई श्रद्धालु हेलीकॉप्टर सेवाओं से दर्शन करने के लिए धाम तक पहुंचते हैं। पिछले सालों में यह देखा गया है कि कई लोगों द्वारा इसमें साइबर ठगी की जाती है, जहां वो झूठे विज्ञापनों से लोगों से पैसे लेते हैं। इसमें यात्रा शुरु होने से करीब एक महीने पहले एक टीम का गठन किया गया था, जो खास तौर पर इसकी निगरानी कर रही थी। लगभग 550 फेक प्लेटफार्म पर कार्रवाई की गई है, जिसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम पेज, वेबसाइटें, व्हाट्सएप नंबर और बैंक खाते शामिल हैं। इन घटनाओं के संबंध में एफआईआर भी दर्ज की गई हैं। जांच की प्रक्रिया लगातार सक्रिय रूप से जारी है।

संदिग्ध आतंकी फैजान की तलाश में रामपुर में छापे मारे

स्वार (रामपुर)। गुजरात के अहमदाबाद में पकड़े गए संदिग्ध आतंकी फैजान शेख उर्फ फैजान सलमानी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम आज सुबह स्वार इलाके में पहुंची। एजेंसी ने स्थानीय पुलिस-प्रशासन के साथ मिलकर फैजान सलमानी और उसके दोस्त मुकीम (17) के घर जाकर लोगों से पूछताछ कर जांच पड़ताल की। फैजान के घर तलाशी लेने के साथ एक मोबाइल की भी जांच की गई। इसके अलावा मेन रोड स्थित मुन्ना के घर पहुंची एजेंसी ने मुकीम के बारे में जानकारी जुटाई।

आज का कार्टून

प्रदेश में तीन कंपनियां करती हैं कंप्रेस्ड नेचुरल गैस की सप्लाई

महंगाई का डबल डोज... पेट्रोल - डीजल के बाद अब सीएनजी भी 3 रुपए महंगी

भोपाल में एक किग्रा गैस का दाम अब 93.75 रुपए

नईदिल्ली/भोपाल, एजेंसी

पेट्रोल-डीजल के बाद अब सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) भी महंगी हो गई है। मध्य प्रदेश में शनिवार देर रात 3 रुपए प्रति किलो तक रेट बढ़ा दिए गए हैं। भोपाल में 1 किलो गैस के रेट अब 93.75 रुपए हो गए हैं। नई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। प्रदेश में तीन गैस एजेंसियां- थिंक, गेल और अवंतिका सीएनजी की सप्लाई करती हैं। भोपाल, सीहोर, राजगढ़, विदिशा समेत आसपास के जिलों में थिंक कंपनी सप्लाई करती है, जबकि इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर संभाग में अवंतिका की सप्लाई है। गेल कंपनी की भी कई जिलों में सप्लाई है।

भोपाल समेत आसपास के जिलों में दो महीने में दूसरी बार कीमतें बढ़ी हैं। इससे पहले करीब 2 रुपए बढ़े थे। इस तरह दो महीने में सीएनजी 5 रुपए प्रति किलो तक महंगी हो गई है। राजधानी में कुल 152 पेट्रोल पंप है। इनमें से 12 पंप ऐसे हैं। जहां सीएनजी गैस भी मिलती है। वहीं थिंक गैस के मैनिट, नीलबड़, होशंगाबाद रोड, बैरागढ़ रोड समेत कई जगहों पर भी कुल 25 स्टेशन है। यहां पर रेट बढ़े हैं। पिछले तीन साल में भोपाल में सीएनजी गाड़ियों की बिक्री 50 फीसदी तक बढ़ी है। शोरूम से हर रोज सीएनजी बेस्ड 10 से 15 गाड़ियां बिक

रही हैं। गौरतलब है कि दो दिन पहले ऑयल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के रेट 3 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ा दिए थे। 15 मई से नई कीमतें लागू हो गई। यह कीमतें 3.50 रुपए तक बढ़ी है।

पीएम मोदी दे चुके हैं चेतावनी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने नीदरलैंड दौरे के दौरान चेतावनी दे चुके हैं कि वैश्विक युद्धों, महामारी और ऊर्जा संकट से उपजे हालातों में यदि सुधार नहीं हुआ, तो दुनिया आपदाओं के दशक का सामना करेगी। इसके परिणामस्वरूप दशकों की प्रगति समाप्त हो सकती है और करोड़ों लोग पुनः गरीबी के दलदल में धकेले जा सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा है कि इन चुनौतियों के कारण विकासशील देशों में महंगाई का भारी दबाव बढ़ेगा और यदि समय रहते स्थिति नहीं सुधरी, तो दुनिया भर में भारी गरीबी लौट सकती है। इस वैश्विक संकट के बीच, घरेलू स्तर पर आम जनता को राहत देने और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाए जा रहे हैं।

उधर... ईरान का होर्मुज स्ट्रेट में नया सिस्टम लागू करने का दावा

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के चेयरमैन इब्राहिम अजीजी ने कहा है कि उनका देश जल्द ही होर्मुज में जहाजों की आवाजाही के लिए नया सिस्टम शुरू करेगा। यह व्यवस्था ईरान की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। अजीजी के मुताबिक, इस नए सिस्टम में सिर्फ वही कारोबारी जहाज और देश फायदा उठा सकेंगे जो ईरान के साथ सहयोग करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस व्यवस्था के तहत दी जाने वाली खास सेवाओं के लिए टैक्स लिया जाएगा। वहीं ईरानी सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के सलाहकार मोहम्मद मोखबर ने कुवैत और यूएई को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान ने अब तक संयम बरता है, लेकिन यह हमेशा नहीं चलेगा। मोखबर ने कहा कि इन देशों ने अपने इलाके को ईरान के दुश्मनों के इस्तेमाल के लिए खुला छोड़ दिया है। ईरान ने लंबे समय तक उन्हें दोस्त और भाई माना, लेकिन अब उन्होंने अपनी आजादी तक बेच दी है और अपने देश की जमीन दुश्मनों को इस्तेमाल करने दी है।

त्रिवेंद्रम-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में आग

गार्ड ने दी सूचना, 15 मिनट में 68 यात्रियों को सुरक्षित निकाला

कोटा, एजेंसी

कोटा मंडल में त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के 2 कोच में आज सुबह आग लग गई। हादसा सुबह करीब 5.15 बजे कोटा मंडल के लूणी रीछा-विक्रमगढ़ आलोट (मप्र) स्टेशन के बीच हुआ।

आग ट्रेन के कोच नंबर बी वन और उसके पीछे लगे सेकेंड लगेज कम गार्ड वैन में लगी थी। हादसे की जानकारी के बाद कोटा जंक्शन पर हूटर बजने लगे। राहत और बचाव टीम मौके के लिए रवाना हुई। सीनियर डिवीजनल कॉमर्शियल मैनेजर सौरभ जैन ने बताया कि कोच में 68 यात्री सवार थे। आग लगने की खबर गार्ड ने सबसे पहले लोको पायलट को दी थी। इसके बाद ट्रेन को रुकवाया गया। पैसेंजर्स को बाहर निकाला। करीब 15 मिनट में पूरा कोच खाली कराया गया। कुछ मिनटों में ही आग पूरे कोच में फैल गई थी। हालांकि, इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

त्रिवेंद्रम राजधानी रविवार सुबह करीब 3.45 बजे मध्य प्रदेश के रतलाम जंक्शन से रवाना हुई थी। इसका अगला स्टॉप सुबह 8.45 बजे कोटा जंक्शन था। राजस्थान में एंट्री से पहले विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के पास एसी कोच में आग लग गई। कुछ मिनटों बाद आगे पीछे के लगेज कोच तक पहुंच गई। यहां रखा पैसेंजर्स का सामान आग में जल गया। इस कोच में कोई यात्री नहीं था। हादसे के बाद से दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर ट्रैफिक को रोका गया है। वहीं, ट्रेन का बिजली कनेक्शन काट दिया गया है। कोच को भी ट्रेन से काटकर अलग किया गया। करीब दो घंटे बाद कोच में लगी आग बुझा ली गई।

नीट पेपर लीक मामला, कल हुई थी गिरफ्तारी

पेपर सेटिंग में शामिल रहीं बॉटनी की टीचर मनीषा मंधारे 14 दिन की सीबीआई रिमांड पर

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक केस में आरोपी, महाराष्ट्र के पुणे की वरिष्ठ बॉटनी शिक्षिका मनीषा गुरुनाथ मंधारे को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की 14 दिन की हिरासत में भेज दिया है। शनिवार को नीट यूजी 2026 के पेपर लीक मामले में सीबीआई ने पुणे की बायोलॉजी की अध्यापिका को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। मंधारे को सीबीआई ने गहन पूछताछ के बाद दिल्ली से गिरफ्तार किया। वह नीट यूजी 2026 परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी हुई थीं।

इससे पहले राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्य आरोपी पीवी कुलकर्णी और मनीषा वाघमारे को 10 दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था। मामले में सह आरोपी धनंजय लोखंडे को पहले ही छह दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा जा चुका है। इसके

अलावा पांच अन्य आरोपियों शुभम खैरनार, मंगिलाल बीवाल, विकास बीवाल, दिनेश बीवाल और यश यादव को भी 20 मई तक हिरासत में भेजा गया है। गौरतलब है कि पेपर लीक के आरोपों के बाद 3 मई को हुई नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द कर दी गई थी और मामले की विस्तृत जांच सीबीआई को सौंपी गई है।

बायोलॉजी लेक्चरर मनीषा मंधारे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की नीट-यूजी पेपर-सेटिंग कमेटी का हिस्सा थी। जांच एजेंसी ने इस पूरे रैकेट के मुख्य मास्टरमाइंड प्रोफेसर पी वी कुलकर्णी और अन्य आरोपियों से पूछताछ के आधार पर मनीषा को गिरफ्तार किया।

महाराष्ट्र के अमरावती-वर्धा में पारा 46 डिग्री पहुंचा गुजरात की जंगल सफारी में जानवरों के लिए एसी

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर, एजेंसी

राजस्थान, गुजरात व महाराष्ट्र-विदर्भ से लेकर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत 8 राज्य इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन इलाकों में पारा 40 डिग्री से ऊपर चल रहा है। दिन के साथ रातें भी गर्म हो रही हैं।

महाराष्ट्र के अमरावती और वर्धा देश के सबसे गर्म शहर रहे। दोनों शहरों का तापमान 46 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। यूपी के बांदा, मध्य प्रदेश के नौगांव और खंडवा में भी पारा 44 डिग्री से ज्यादा रहा। इधर, गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास बनी जंगल सफारी (सरदार पटेल जूलॉजिकल पार्क) में जानवरों और पक्षियों के लिए, कूलर और स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। वडोदरा के

सायाजीबाग जूलॉजिकल पार्क ने जानवरों और पक्षियों को गर्मी से बचाने के लिए ठंडक के कई इंतजाम किए हैं। इनमें पानी का छिड़काव, बर्फ के टुकड़े, फॉगर शामिल हैं।

मप्र के 15 शहरों में पारा 43 डिग्री हुआ पार

इधर, मध्यप्रदेश में भी भीषण गर्मी पड़ रही है। इंदौर और उज्जैन संभाग में सबसे ज्यादा गर्मी है। 15 शहरों में तापमान 43 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। भोपाल का तापमान 42.4 डिग्री दर्ज किया गया। रतलाम में इतनी तेज धूप थी कि कुछ लोगों ने मोबाइल फोन बंद होने की शिकायत की है। भोपाल के बाजारों में दिन के समय सन्नाटा देखा जा रहा है। मौसम केंद्र के अनुसार, आज रतलाम, खरगोन और खंडवा में तीव्र लू का अलर्ट है। यहां पारा 44 डिग्री के पार पहुंच सकता है। वहीं, इंदौर, उज्जैन, झाबुआ, आलीराजपुर, बड़वानी, धार व बुरहानपुर में लू चलेगी।

मेट्रो एंकर | दो साल तक बच्चे और परिवार से दूरी, लगातार संघर्ष और पक्के इरादे ने दिलाई सफलता

कोचिंग में ताने... भूल जाओ सेलेक्शन, अनु ने आईएएस बन दिया जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी

सपने वही पूरे करते हैं, जो लोगों को बातों से नहीं बल्कि अपनी मेहनत से जवाब देना जानते हैं। जिंदगी में कई बार ऐसे मौके आते हैं, जब लोग हमारे हौसले तोड़ने की कोशिश करते हैं। कुछ ऐसा ही अनु कुमारी के साथ भी हुआ। जब वह एक कोचिंग में कुछ डाउट क्लियर करने गईं तो उनसे कहा गया कि तुम्हें इतना भी नहीं पता तो तुम तो भूल जाओ कि तुम्हारा सेलेक्शन होगा। हालांकि वह आगे बढ़ती रहीं।

कठिन परिस्थितियों, बच्चे और परिवार से दूरी और लगातार संघर्ष के बावजूद उन्होंने अपने

यूपीएससी के लक्ष्य पर फोकस बनाए रखा और फिर आईएएस अधिकारी बनकर तानों का जवाब दिया। अनु कुमारी हरियाणा के सोनीपत की रहने वाली हैं। वह एक इंटरव्यू में बताती हैं कि शुरुआती पढ़ाई के बाद उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से फिजिक्स से ग्रेजुएशन कंप्लीट किया। इसके बाद आईएमटी नागपुर से फाइनेंस और मार्केटिंग में मास्टर्स किया। पढ़ाई पूरी होने के बाद 2012 में उनकी शादी हो गई थी। इसके बाद वह गुरुग्राम शिफ्ट हो गई थीं। यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए अनु कुमारी ने जिंदगी का सबसे कठिन फैसला लिया। उन्होंने करीब 2 साल तक अपने बेटे से दूरी बनाकर रखी ताकि पूरी तरह पढ़ाई पर ध्यान दे सकें। पहले प्रयास में वह सिर्फ एक नंबर से चयन से चूक गईं। यह पल उनके लिए बेहद निराशाजनक था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और आगे बढ़ती रहीं।

एक वीडियो में वह बताती हैं कि 'मेन्स के पेपर से 10-15 दिन से पहले वह कहीं पर अपने कुछ डाउट्स सॉल्व कराने गई थीं। इस दौरान एक कोचिंग चलने वाले ने ने उन पर कमेंट करते हुए कहा कि तुम्हें इतना भी नहीं पता तो तुम भूल जाओ कि तुम्हारा सेलेक्शन होगा। इसके बाद निराश हो गईं और अपने भाई को फोन पर पूरी बात बताई। भाई ने उन्हें पॉजिटिव रहने को कहा।

हर मिनट की अहमियत

लगातार मेहनत और मजबूत इरादों के दम पर आखिरकार साल 2017 में उन्होंने ऑल इंडिया रैंक 2 हासिल कर आईएएस बनने का सपना पूरा किया। आज वह तिरुवनंतपुरम, केरल में जिला कलेक्टर के रूप में काम कर ही हैं। अनु अपनी पढ़ाई को लेकर बेहद अनुशासित थीं। तैयारी के दिनों में वह रोज लगभग 10 से 12 घंटे तक पढ़ाई करती थीं। वह सुबह जल्दी उठकर अपनी दिनचर्या की शुरुआत करती थीं। समय का सही इस्तेमाल करने के लिए सुबह की सैर के दौरान ऑल इंडिया रेडियो सुनती थीं और खाना खाते समय राज्यसभा टीवी देखा करती थीं। उनका मानना था कि यूपीएससी की तैयारी में हर मिनट की अहमियत होती है और सही रणनीति ही सफलता दिलाती है।

शादी के पांच महीने बाद ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला

जबरन अबॉर्शन, मेंटल टॉर्चर और मौत से पहले की चोटें

परिवार ने की प्रदेश के बाहर की एजेंसी से जांच की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कटारा हिल्स के ट्विशा शर्मा केस में परिवार ने सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि

। ट्विशा का जबरन अबॉर्शन कराया गया. पोस्टमॉर्टम में मल्टीपल एंटीमॉर्टम इंजरी मिली हैं। लगातार मेंटल टॉर्चर और चरित्रहनन के बाद ट्विशा ने जान दी। मायके वाले एसआईटी और दिल्ली एम्स की जांच की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि भोपाल एम्स में पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर गिरिबाला सिंह के करीबी हैं और उनके प्रभाव में हैं। इसलिए , सही रिपोर्ट नहीं दी गई है।

नोएडा की 33 वर्षीय ट्विशा शर्मा, जो पूर्व मिस पुणे भी रह चुकी थीं, मात्र पांच महीने की शादी के बाद भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ससुराल में 12 मई 2026 की रात संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटकी मिलीं। शादी दिसंबर 2025 में डेटिंग ऐप पर मिले वकील समर्थ सिंह के साथ हुई थी। ट्विशा हाल ही में दो महीने की प्रेग्नेंट थीं, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में एक हफ्ते पहले मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी का खुलासा हुआ। मायके पक्ष का दावा है कि यह जबरन अबॉर्शन था, जिसमें सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह ने मानसिक यातना देकर ट्विशा को मजबूर किया। परिवार ने आरोप लगाया कि ट्विशा को पितृत्व पर संदेह कर उसके चरित्र पर सवाल उठाए गए, जिससे उस पर जबरदस्त मेंटल टॉर्चर हुआ। इस मामले में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मल्टीपल एंटीमॉर्टम इंजरी (मौत से पहले की कई चोटें) मिलने से हत्या की आशंका और मजबूत हो गई है। ट्विशा के भाई भारतीय सेना के मेजर हर्षित शर्मा और परिजनों का कहना है कि मौत सुसाइड नहीं बल्कि व्यवस्थित प्रताड़ना का नतीजा है। वे चौथे दिन भी शव लेने से इनकार कर रहे हैं और दिल्ली एम्स में दोबारा पोस्टमॉर्टम और प्रदेश के बाहर एसआईटी या सीबीआई जांच की मांग पर अड़े हैं। सास गिरिबाला सिंह को अग्रिम जमानत मिलने से परिवार आक्रोशित है। ट्विशा के परिजनों का मानना है कि हत्या का मामला बनना चाहिए। आरोप है कि सास गिरिबाला सिंह रिटायर्ड जज हैं और उनकी बहन का मेडिकल क्षेत्र में दखल है, जिसके कारण निष्पक्ष जांच के लिए इसे बाहरी एजेंसी से कराना चाहिए।

जबरन अबॉर्शन और मेंटल टॉर्चर

ट्विशा के परिवार ने सास गिरिबाला सिंह पर सबसे गंभीर आरोप लगाए हैं। मेजर हर्षित शर्मा के अनुसार, शादी के बाद से ही ट्विशा पर दहेज की मांग, मानसिक प्रताड़ना और भावनात्मक शोषण शुरू हो गया। वे गर्भावस्था जारी रखना चाहती थीं, लेकिन पति और सास ने पितृत्व पर संदेह जताते हुए चरित्रहनन किया और जबरन अबॉर्शन कराया। मौत से कुछ घंटे पहले ट्विशा ने मां को फोन कर कहा था, अब सहन नहीं होता... बताया जा रहा है कि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

एंटीमॉर्टम इंजरी से आशंका

शॉर्ट पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण एंटीमॉर्टम हैंगिंग बाय लिगेचर बताया गया, लेकिन शरीर के विभिन्न हिस्सों पर मल्टीपल एंटीमॉर्टम इंजरी पाई गईं। परिवार का दावा है कि ये चोटें मारपीट या टॉर्चर से आई हैं। फॉरेंसिक जांच जारी है, जिसमें कपड़े और सेलोटेप के सैंपल भी लिए गए हैं। परिवार ने आरोप लगाया कि ट्विशा के पिता द्वारा दी गई 20 लाख रुपये के शेयर और इन्वेस्टमेंट को पति और ससुराल पक्ष को ट्रांसफर करने का दबाव बनाया जा रहा था। ट्विशा को नौकरी छोड़ने के बाद बेकार कहकर अपमानित किया जाता था। सास गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका में दावा किया गया कि कोई दहेज मांग नहीं हुई। बैंक ट्रांजेक्शन के हवाले से ट्विशा को नियमित आर्थिक सहयोग दिया जाता था और उनका मेंटल हेल्थ ट्रीटमेंट भी चल रहा था।

स्वच्छ सर्वेक्षण का काउंटडाउन शुरू

जल्द आ सकती है सर्वे टीम सौंदर्यीकरण-कचरे पर फोकस

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्वच्छ सर्वेक्षण का काउंटडाउन शुरू हो गया है। अगले दो से तीन दिन में सर्वे टीम भोपाल पहुंच सकती है। अंतिम दौर में नगर निगम कई कवायदें कर रहा है। ताकि, टीम के सामने शहर बेहतर स्थिति में दिखाई दें। कई जगहों पर पेंटिंग कराई गई है। जिसमें स्वच्छता का संदेश लिखे हैं।

बता दें कि नई गाइड लाइंस में अब शहरों को केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर भी सफाई साबित करनी होगी। इसी वजह से सड़कों की सफाई, नालों की सफाई, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई, बैक लेन में पेंटिंग और बाजारों में टाइल्स लगाने का काम शुरू किया है। वहीं, शहर के बड़े बाजार जैसे- न्यू मार्केट, 10 नंबर मार्केट, पुराना शहर, करोंद, कोलार, बैरागढ़ में सौंदर्यीकरण और कचरा उठाने के काम को प्राथमिकता दी जा रही है।

हालांकि, जमीन पर अब भी कई जगह गंदगी, टूटे डस्टबिन, उखड़ी सड़कें और खुले नाले जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। ऐसे में विजिबल क्लीनलीनेस के लिए तय 1500 अंक भोपाल के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

इन कामों पर होगा फोकस: जानकारी के अनुसार, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में विजिबल क्लीनलीनेस यानी जमीन पर दिखने वाली सफाई पर विशेष फोकस किया है। नई गाइडलाइंस के तहत शहरों की रैंकिंग 10 मुख्य इंडिकेटर्स के आधार पर तय होगी। इसी वजह से निगम बैक लेन से लेकर नालों और कचरा पॉइंट तक सुधार कार्यों में जुटा है। पिछली बार ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के कारण शहर चका-चक था, लेकिन इस बार नए काम तो छोड़ो पुराने को ही मेंटेन नहीं रख पाए हैं।

बाजारों में कचरा बड़ी चुनौती: आवासीय क्षेत्रों और पार्कों में रोज एक बार, जबकि व्यावसायिक स्थलों, बस-रेलवे स्टेशनों, पर्यटन स्थलों और स्ट्रीट फूड जोन में दिन में दो बार सफाई जरूरी होगी। इस पैरामीटर के लिए सबसे ज्यादा 300 अंक हैं। कई मार्केट में अब भी कचरा और गंदगी बड़ी समस्या बनी हुई है। घरों और दुकानों के पीछे की गलियों यानी बैक लेन की सफाई और रखरखाव के लिए 200 अंक तय हैं। शहर के कई इलाकों में बैक लेन में रंगीन पेंटिंग और सफाई अभियान जारी है।

बैरिकेड्स बिगाड़ रहे सफाई स्कोर: सार्वजनिक स्थलों और दीवारों को पान-गुटखे के धब्बों और खुले में पेशाब के निशानों से मुक्त रखने पर 150 अंक मिलेंगे। निर्माण कार्यों के दौरान लगाए गए बैरिकेड्स पीकदान बन चुके हैं। निगम ने एजेंसियों को इन्हें साफ करने की चेतावनी दी है, लेकिन हालात नहीं सुधरे हैं। शहर में म्यूरल्स, वेस्ट-टू-आर्ट, सड़कों को गड्ढामुक्त करने और हरियाली बढ़ाने जैसे कामों के लिए 200 अंक तय किए हैं।

आरोग्य केन्द्र में रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर का समापन

दूसरों के स्वास्थ्य की चिंता करने वाला हो जाता है रोग मुक्त: सिद्धभाऊ

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

दूसरों को स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करने वाला व्यक्ति स्वयं भी रोगमुक्ति का लाभ पाता है। यह बात संतजी के शिष्य सिद्धभाऊ ने कही। वे आरोग्य केन्द्र में आयोजि 101 वें 10 दिनी रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर के समापन मौके पर बोल रहे थे।

भाऊ जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पहला सुख निरोगी काया है। उन्होंने विशेष रूप से महिला साधकों को प्राकृतिक चिकित्सा से जुड़ने का आह्वान किया, क्योंकि घर का किचन महिलाएं ही संभालती हैं। यदि वे सही खान-पान सीख गईं, तो पूरा परिवार स्वस्थ रहेगा। भाऊ जी ने बेटियों को साढ़े पांच साल के नेचरोपैथी कोर्स के लिए प्रेरित करने को कहा, जिसके लिए 11वीं-12वीं में बायोलॉजी होना अनिवार्य है।

अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय तेवानी ने बताया कि 8 से 17 मई तक चले इस शिविर में देश के 10 राज्यों से कुल 82 साधकों ने भाग लिया। शिविर में योग, प्राकृतिक चिकित्सा, ध्यान और प्राकृतिक आहार के जरिए डायबिटीज, मोटापा, थायराइड, बीपी, अस्थमा और कमर दर्द जैसी बीमारियों का सफल उपचार किया गया।

अनुभव सत्र में साधकों ने चमत्कारी लाभ साझा किए। यूपी की मोहिनी प्रजापति को घुटने के दर्द, जयपुर की स्नेहलता को थायराइड और वजन (3.5 किलो कम), भोपाल की कविता को बीपी व शुगर, जलगांव की देविका को कब्ज और नीमच के सुनील को मधुमेह में भारी आराम मिला। अंत में डॉ. लता तेवानी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अभ्युदय शोध व प्रशिक्षण केंद्र का एआई अवेयरनेस पर दो दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित

उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए हो रहा है कार्य

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान मध्यप्रदेश द्वारा संचालित अभ्युदय शोध एवं प्रशिक्षण केंद्र द्वारा विक्रमादित्य ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के सहकार से शिवाजी नगर भोपाल स्थित शोध केन्द्र पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अवेयरनेस के लिए दो दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों के चयनित प्रतिभागी शामिल हुए।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. शशिरंजन अकेला ने कहा कि अभ्युदय शोध एवं प्रशिक्षण केंद्र उच्च शिक्षा संस्थानों के लीडर्स के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग, टीचर्स ट्रेनिंग, रणनीतिक शोध ,उच्च शिक्षा की पॉलिसी एडवोकेसी व प्रकाशन के माध्यम से उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इसी श्रृंखला में एआई पर अवेयरनेस कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें प्राध्यापकगण एवं शोधार्थी शामिल हुए। सत्र का संचालन डॉ. मनीष विश्वकर्मा एवं आभार प्रदर्शन प्रो प्रदीप श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

एआई अवेयरनेस ट्रेनिंग में विशेषज्ञों द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता का परिचय एवं जागरुकता, सूचना प्राप्ति से तार्किक विश्लेषण तक शोध उत्कृष्टता के लिए एआई एवं शिक्षण, अधिगम एवं शैक्षणिक अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उभरती भूमिका विषय पर विशेषज्ञ के रूप में उत्कृष्ट शिक्षा संस्थान भोपाल के डॉ. अमित मंडले, डॉ. अखिलेश शेंडे एवं डॉ. मीनाक्षी राठी ने एआई से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखते हुए विभिन्न एआई टूल्स पर हैंड्स ऑन ट्रेनिंग प्रदान की। दो दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम का उद्घाटन विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ शशिरंजन अकेला, प्रबंधकारिणी सदस्य डॉ. भारती सातनकर, विक्रमादित्य ग्रुप की निदेशक डॉ दीपिका नारोलिया, शोध केंद्र निदेशक प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव एवं प्रान्त मंत्री डॉ. मनीष अहिरवार ने किया।

निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह को याद किया

मानव जीवन का हर क्षण मानवीय मूल्यों के लिए समर्पित हो- सुदीक्षा

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

बाबा हरदेव सिंहजी की स्मृति में भोपाल जोन की सभी ब्रांचों में समर्पण दिवस का आयोजन किया गया। संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा में सतगुरु माता सुदीक्षाजी एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के सान्निध्य में समागम से निरंकारी अनुयायी जुड़े।

समागम में सतगुरु माता सुदीक्षाजी ने कहा कि बाबाजी का संपूर्ण जीवन मानवता, सेवा और प्रेमा-भक्ति का दिव्य उदाहरण था। उन्होंने संदेश दिया कि मानव जीवन का हर क्षण इंसानियत, करुणा और मानवीय मूल्यों के लिए समर्पित होना चाहिए। यदि किसी के जीवन में दुख या पीड़ा है, तो हमारा कर्तव्य उसे बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रेम और सहयोग से शांत करना है। उन्होंने समझाया कि ब्रह्मज्ञान प्राप्त होने के बाद जीवन समस्त मानवता के कल्याण का माध्यम बन जाता है। सच्ची सेवा दिखावे से परे और निस्वार्थ होनी चाहिए। अमर संत अवनीत जी के समर्पित जीवन का उल्लेख करते हुए उन्होंने प्रेरणा दी कि गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों के साथ भी पूर्ण निष्ठा से भक्ति का मार्ग अपनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कवियों, गीतकारों और विचारकों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से बाबा हरदेव सिंहजी के सौम्य व्यक्तित्व और लोक-कल्याणकारी कार्यों के प्रति अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वर्तमान में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के मार्गदर्शन में बाबा जी का यह अमन और भाईचारे का संदेश पूरे विश्व में निरंतर प्रसारित हो रहा है।

पांच जून तक चलेगी एकजुट थिएटर एंड वेलफेयर समिति की कार्यशाला

भोपाल। एकजुट थिएटर एंड वेलफेयर समिति की कार्यशाला इस बार भी 5 जून तक संचालित होगी। इस बीस दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ 15 मई को हुआ। प्रतिदिन शाम 5 से 7 बजे तक यह पीएनटी चौराहा के पास मायाराम साहित्यिक भवन में आयोजित की जाएगी। हमारी आने वाली युवा पीढ़ी को संस्कृति, समाज और रचनात्मक आत्मविश्वास के साथ अनुशासन से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में मिलन सिंह रावत , खुशबू चौबितकर एवं कंचन विश्वास बतौर प्रशिक्षक मार्गदर्शन देंगे।

संतनगर और गांधीनगर ब्लॉक कांग्रेस की बैठक हुई

विधानसभा, नगर निगम चुनाव में कार्यकर्ताओं को ही टिकट मिलेगा

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

संगठन सृजन अभियान के चलते संतनगर और गांधीनगर ब्लॉक कांग्रेस की बैठक एच. वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर में आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य हुजूर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को मजबूत करना और आगामी रणनीतियों पर चर्चा करना था।

जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने संगठन की समीक्षा करते हुए कहा कि मंडलम अध्यक्षों की नियुक्तियों के बाद अब जिला, ब्लॉक और वार्ड स्तर पर कार्यकारिणी के गठन की तैयारी पूरी हो चुकी है, जिसके नामों की घोषणा जल्द की जाएगी। उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि आगामी नगर निगम और विधानसभा चुनावों में केवल उन्हीं कार्यकर्ताओं को टिकट दिया जाएगा, जो संगठन के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। विधानसभा प्रभारी आनंद प्रताप सिंह ने भाजपा सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा कि आज किसान, युवा और व्यापारी सभी परेशान हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

बैठक में हुजूर विधानसभा प्रभारी आनंद प्रताप सिंह और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इनके अलावा पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव, वरिष्ठ नेता त्रिलोक दीपानी, ब्लॉक अध्यक्ष व पार्षद अशोक मारण, ज्ञान दुबे और गांधीनगर ब्लॉक अध्यक्ष सोनू तोमर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक का संचालन प्रवक्ता महेश गुरबानी ने और आभार प्रदर्शन घनश्याम लालवानी ने किया।

वरिष्ठ नागरिक मंच का व्यंग्य पाठ आयोजन

भोपाल। मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति हिंदी भवन द्वारा प्रतिमाह आयोजित वरिष्ठ विमर्श के अंतर्गत व्यंग्य रचना पाठ का आयोजन हुआ । इसमें नगर के व्यंग्यकारों ने श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाओं का पाठ कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार केके सेठी ने की तथा मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विकास दवे मंत्री संचालक मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति एवं डॉ. संजय सक्सेना सह संचालक उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक महेश सक्सेना ने स्वागत उदबोधन देते हुए संचालन किया। आरपी सक्सेना ने कथनी करनी में अंतर, डॉ. रामवल्लभाचार्य ने खिसियानी बिल्ली, डॉ. शिवकुमार दीवान ने कुत्ता की एसी यात्रा, घनश्याम मैथिल अमृत ने झालमुड़ी के अच्छे दिन, सुरेश पटवा ने कुत्तों के मौलिक अधिकार, सुनील चतुर्वेदी ने जहां डाल-डाल पर, बीके श्रीवास्तव ने महिला महिमा, अशोक धमेनिया ने झालमुरी और चुनाव, अशोक व्यास ने बयान वीर के ब्रह्मास्त्र, केके सेठी ने दिल्ली की दलदल, वंदना जोशी ने क्या हाल है, पी एस रावत ने जंगल के चुनाव, सुधा दुबे ने राय बहादुर , डॉ. राजेश तिवारी ने वे कतई भ्रष्ट नहीं है रचनाओं का पाठ किया। इस आयोजन में मनोज जैन मधुर, बीएल गोहिया कविता शिरोले,शारदा दयाल श्रीवास्तव, राजेंद्र गट्टानी सहित अन्य साहित्य प्रेमी उपस्थित थे। जिन सदस्यों का जन्मदिन था उन्हें मोतियों की माला पहनाकर तथा कलम भेंटकर उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की गई। अंत में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ द्वारा धार स्थित भोजशाला के सरस्वती मंदिर वाग्देवी मुक्ति के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक़ दूसरे को बधाई दी गई। आभार डॉ. संजय सक्सेना ने व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर

बालमन की भावनाओं से सजी फिल्मों ने दर्शकों को किया आकर्षित

भारत भवन में शुरू हुआ तीन दिवसीय बाल फिल्म समारोह

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत भवन में तीन दिवसीय 'बाल फ़िल्म समारोह' का रंगारंग आगाज़ हुआ। 18 मई तक आयोजित इस विशेष समारोह में बच्चों और परिवारों के लिए चयनित उत्कृष्ट फिल्मों की प्रस्तुतियां की जा रही हैं। छवि प्रभाग, भारत भवन द्वारा आयोजित इस आयोजन में पहले ही दिन बड़ी संख्या में बच्चों, अभिभावकों और सिनेमा प्रेमियों की उपस्थिति देखने को मिली।

समारोह का उद्देश्य बच्चों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखते हुए उन्हें संवेदनशील, कल्पनाशील और विचार प्रधान सिनेमा से जोड़ना है। यही कारण रहा कि पहले दिन प्रदर्शित फिल्मों ने बालमन की उत्सुकता, सपनों और भावनाओं को बेहद कलात्मक ढंग से पर्दे पर प्रस्तुत किया।

समारोह के पहले दिन प्रसिद्ध निर्देशिका सांई परांजपे की फिल्म जादू का शंख प्रदर्शित की गई। लगभग 49 मिनट की इस फिल्म ने बच्चों को रोमांच, जिज्ञासा और कल्पनाओं की अद्भुत दुनिया से रूबरू कराया। फिल्म की सबसे बड़ी विशेषता इसका सहज कथानक और मासूम भावनाओं की प्रस्तुति रही। बिना किसी बनावटीपन के फिल्म बच्चों के मनोविज्ञान को स्पर्श करती नजर आई। फिल्म के कई दृश्य बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरते रहे, वहीं कुछ क्षणों ने उन्हें गहरे भावनात्मक जुड़ाव का अनुभव भी कराया। इसके बाद प्रदर्शित हुई डाक घर ने समारोह को गंभीर और संवेदनशील आयाम प्रदान किया। गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की कालजयी रचना पर आधारित इस फिल्म का निर्देशन जुल वेल्लानी ने किया है। फिल्म ने मानवीय संवेदनाओं, आशा और स्वतंत्रता की भावना को अत्यंत मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। सीमित संवादों और प्रभावशाली दृश्य संयोजन के माध्यम से फिल्म ने दर्शकों को भीतर तक प्रभावित किया। बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी फिल्म की भावनात्मक गहराई को सराहा। समारोह के दूसरे दिन बच्चों के प्रिय पौराणिक चरित्र पर आधारित एनीमेशन फिल्म हनुमान का प्रदर्शन किया जाएगा। निर्देशक वीजी सामंत द्वारा निर्देशित यह फिल्म बाल दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसके साथ लघु एनीमेशन फिल्म कठपुतली भी प्रदर्शित की जाएगी।

देश की अनोखी नीमच हर्बल मंडी

नीमच की मंडी में कई राज्यों के किसान अपनी हर्बल फसल लेकर आते हैं।

फूल, कांटे, पत्ती, छिलके, बीज, छाल, जड़ सभी के मिलते अच्छे दाम

किसानों के लिए है वरदान, औषधीय फसलों के उत्पादन में देश में आगे मप्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के नीमच जिले की हर्बल मंडी प्रदेश के औषधीय फसलों के उत्पादक किसानों के लिए वरदान साबित हुई है। यह देश की एक मात्र मंडी है जहां कांटे, फूल, पत्ती, छिलके, बीज, छाल, जड़ सब बिकते हैं। किसानों को विभिन्न औषधीय फसलों के 500 रूपये से लेकर 2 लाख रूपये प्रति क्विंटल तक भाव मिल जाते हैं। नीमच मंडी की प्रसिद्धि? देखते हुए गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के किसान अपनी फसलें लेकर यहां आ रहे हैं।

अप्रैल माह तक मंडी की भरपूर आवक बनी रहती है जो मई के आखरी सप्ताह तक कम होने लगती है। किसानों को निराश नहीं होना पड़ता। हर प्रकार की जड़ी-बूटी बिक जाती है।

मुख्य मंडी प्रांगण में 16 शेड हैं। यह एक मात्र मंडी है जहां 40-50 प्रकार के औषधीय पौधों की खरीदी बोली लगाकर होती है। मसाला फसलों की खरीदी करने वाली देश की एक मात्र सबसे बड़ी मंडी है।

नीलेश पाटीदार नीमच के बड़े काश्तकार हैं। उनकी 45 एकड जमीन है। परिवार में 12 सदस्य हैं। वे पिछले दो-तीन सालों से मसाला फसलों की खेती कर रहे हैं। वे बताते हैं कि इसबगोल, इरानी अकरकारा, चिरायता, आजवाइन, किनोवा, चियासीड, तुलसी बीज जैसी फसलों के बहुत अच्छे दाम मिल जाते हैं। लहसून के भी अच्छे दाम मिलते हैं। नीलेश को इस बात की प्रसन्नता है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव औषधीय फसलों के उत्पादन के लिये प्रोत्साहित कर रहे हैं। वे कहते हैं कि सरकार जड़ी-बूटी की खेती के तौर-तरीकों के संबंध में अच्छी ट्रेनिंग दिलवायेगी तो अच्छे परिणाम मिलेंगे। फिलहाल सरकार की ओर से हर जरूरी सहूलियतें मिल रही हैं। मदद सरकार की और मेहनत हमारी। जड़ी-बूटी उगाने वाले किसानों के लिये नीमच मंडी एक बड़ा सहारा है।

प्रदेश में 46 हजार 837 हैक्टेयर क्षेत्र में होती है औषधीय खेती

मध्यप्रदेश औषधीय फसलों के उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश में 46 हजार 837 हैक्टेयर क्षेत्र में औषधीय फसलों ईसबगोल, सफेद मूसली, कोलियस व अन्य फसलों की खेती की जा रही है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश में लगभग सवा लाख मीट्रिक टन औषधीय फसलों का उत्पादन हुआ है। देश और विदेश में औषधीय फसलों की बढ़ती मांग से किसान इन फसलों की ओर आकर्षित हुए हैं। देश में औषधीय फसलों का 44 प्रतिशत हिस्सा मध्यप्रदेश में उत्पादित होता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के साथ किसानों को अनुदान और अन्य सहूलियतें दी जा रही है। औषधीय पौधों की खेती से किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार किसानों को औषधीय पौधों की खेती के लिए 20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक का अनुदान देती है।

वाह रे शिक्षा विभाग..

इंदौर में दो साल बाद भी नहीं मिली मार्कशीट भटकने को मजबूर छात्र

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर। इंदौर सहित पूरे मध्य प्रदेश में वर्ष 2024-25 में पांचवीं और आठवीं की एमपी बोर्ड परीक्षा देने वाले हजारों विद्यार्थी परेशान हो रहे हैं। इन विद्यार्थियों को दो वर्ष बाद भी अंकसूची (मार्कशीट) नहीं मिली है। हालत यह है कि उस समय पांचवीं में पढ़ने वाले विद्यार्थी अब सातवीं कक्षा में पहुंच चुके हैं, जबकि आठवीं की परीक्षा देने वाले छात्र अब 10वीं कक्षा में पढ़ रहे हैं। इसके बावजूद विभाग अब तक विद्यार्थियों को उनकी मार्कशीट तक उपलब्ध नहीं करवा पाया है।

मार्कशीट नहीं मिलने के कारण विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई छात्र ऐसे हैं, जो स्कूल बदलकर अन्य संस्थान में प्रवेश लेना चाहते हैं, लेकिन अंकसूची नहीं होने के कारण उनका एडमिशन नहीं हो पा रहा है। विद्यार्थी और अभिभावक कई बार स्कूल, जनशिक्षा केंद्र और जिला शिक्षा कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई निराकरण नहीं हो पाया है। हर जगह उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। अधिकारियों का कहना है कि राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से अब तक मार्कशीट नहीं आ पाई है, इस संबंध में पत्राचार किया जा चुका है। स्कूल संचालकों का कहना है कि बच्चे हमारे पास आकर शिकायत कर रहे हैं, लेकिन विभाग की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

केस 1

सातवीं कक्षा में पढ़ रही अवनी ठाकुर ने बताया कि मैंने वर्ष 2024 में पांचवी कक्षा की परीक्षा दी थी। तब से अब तक मार्कशीट नहीं मिली। कई बार स्कूल जाकर पूछा, लेकिन हर बार आशअवासन ही मिला रहा है। इस सबंध में डीपीसी कार्यालय में भी शिकायत की है, लेकिन कोई हल नहीं हुआ है। मार्कशीट नहीं मिलने के कारण दूसरे स्कूल में एडमिशन लेने में समस्या हो रही है।

केस 2

सातवीं कक्षा में पढ़ रही प्रियांशी राठौर ने बताया कि दो वर्ष बाद भी मार्कशीट नहीं मिली है। पिता रोहित ने बताया कि इस सबंध में सीएम हेल्पलाइन में गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। शिक्षा विभाग के कई बार चक्कर लगा चुके हैं।

शिकायत बिना कार्रवाई के बंद की

अभिभावकों ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन और जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) कार्यालय में कई बार शिकायत की गई, पर कोई समाधान नहीं निकला। सीएम हेल्पलाइन पर की गई शिकायत को बिना कार्रवाई के ही बंद कर दिया गया। स्कूल प्रबंधन भी हर बार यही कह रहा है कि हमारे पास ही अब तक मार्कशीट नहीं आई है।

मप्र-यूपी के 10 जिलों से गुजरी; भोपाल के पास उद्गम स्थल

फिर सूखी बेतवा नदी, पुनर्जीवित करने 85 चेक डैम बनाए, कैचमेंट में खेती बड़ी वजह

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की गंगा कही जाने वाली बेतवा नदी सूख गई है। भोपाल से 25 किलोमीटर दूर बेतवा के उद्गम स्थल झिरी में गोमुख से पिछले 6 महीने से पानी नहीं आ रहा है। यही नदी एमपी और यूपी के 10 जिलों से गुजरकर यमुना और फिर गंगा में मिल जाती है। इस नदी को पुनर्जीवित करने के लिए अब अभियान शुरू हुआ है। बीते 7 दिन में भोपाल, इंदौर, रायसेन, विदिशा, राजगढ़ समेत कई जिलों के पर्यावरणविद्, वकील और स्टूडेंट्स ने श्रमदान करके 85 चेक डैम बना दिए, जबकि पिछले साल बने 55 चेक डैम को व्यवस्थित किया। यही चेक डैम बारिश का पानी रोकेंगे। ताकि, उद्गम स्थल लगातार प्रवाहित हो सके। रिटायर्ड आयकर अधिकारी आरके पालीवाल के नेतृत्व में स्थानीय स्तर पर 'ऑपरेशन चेक डैम' और पौधरोपण की पहल की गई है। उनका कहना है कि किसी नदी का उद्गम लगातार दूसरे साल सूखना पूरे कैचमेंट सिस्टम के फेल होने का संकेत है। इसलिए बड़े स्तर पर इसे पुनर्जीवित करने की शुरुआत की है।

8 फीट मलबे में दब गया था पार्वती कुंड- पालीवाल ने बताया कि नदी क्षेत्र के सबसे ऊंचे पार्वती कुंड को भी पुनर्जीवित किया है। यह करीब आठ फीट मलबे में दबकर पूरी तरह बंद हो चुका था। इस कुंड के पुनर्जीवित होने से इलाके के वन्यजीव प्यास बुझा रहे हैं।

उद्गम के पास खेत ही खेत, पहले घना जंगल था

लगातार दूसरे साल बेतवा का उद्गम स्थल सूखा है। रायसेन के झिरी गांव में स्थित यह प्राकृतिक भूजल स्रोत दो साल पहले तक सालभर बहता था। अब बारिश के कुछ महीनों बाद ही धारा गायब हो जाती है। एक्सपर्ट की मानें तो झिरी और आसपास का इलाका कुछ साल पहले तक घना जंगल था, जो अब बड़े पैमाने पर खेती में बदल चुका है। इससे कैचमेंट क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा है। झिरी और इससे लगे बेहड़ा गांव सहित आसपास के क्षेत्र में करीब एक हजार एकड़ में गेहूं और धान की खेती होती है। खेती के लिए भूजल से सिंचाई की जाती है। पेयजल की जरूरतें भी इसी भूजल पर निर्भर हैं। इस बदलाव ने उस प्राकृतिक जल प्रणाली को सीधे प्रभावित किया है, जिस पर बेतवा का उद्गम निर्भर था। गोमुखी के आसपास छोटे-छोटे कई प्राकृतिक जलस्रोत मौजूद हैं। यही स्रोत और इस पूरे इलाके का भूजल गोमुखी तक पानी पहुंचाता था। स्थिति यह है कि इन स्रोतों को और गहरा कर उनमें मोटर पंप लगाए गए हैं।

पहले बेतवा की यात्रा की, फिर संवारने की कवायद| पूर्व आयकर अधिकारी पालीवाल ने बताया कि बेतवा नदी का न सिर्फ उद्गम स्थल, बल्कि आगे नदी भी सूख गई है। इसलिए फरवरी 2023 में देशभर के पर्यावरणविद् के साथ बेतवा की 200 किलोमीटर लंबी यात्रा निकाली थी। इसमें देखा कि बेतवा के सूखने के क्या कारण है? क्योंकि ये पहले सालभर तक बहती थी। पुराणों में भी इसका जिक्र है।

केंद्रों पर 250 क्विंटल की सीमा तय होने से बढ़ी परेशानी

भोपाल में गेहूं खरीदी का संकट, दो हजार किसानों के स्लॉट बुक होना अब भी अटका

अब तक 30 हजार किसान समर्थन मूल्य पर बेच चुके हैं गेहूं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। भोपाल और आस-पास के क्षेत्रों में 2,625 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी जारी है। लेकिन इसी बीच किसानों के सामने एक बार फिर स्लॉट बुक न होने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। जिले के लगभग 2,000 किसान ऐसे हैं जिनका स्लॉट बुक नहीं हो पा रहा है, जिसके चलते वे मंडियों और केंद्रों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। उपार्जन पोर्टल पर आ रही इस तकनीकी और प्रशासनिक दिक्कत की कई शिकायतें खाद्य विभाग तक पहुंची हैं। खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस समस्या की मुख्य वजह खरीदी केंद्रों पर लगाई गई सीमा है। विभाग ने प्रत्येक खरीदी केंद्र पर प्रतिदिन अधिकतम 250 क्विंटल गेहूं खरीदी की सीमा तय की है। इस नियम के कारण जैसे ही किसी केंद्र पर 250 क्विंटल का कोटा पूरा होता है, पोर्टल उस केंद्र के लिए अन्य किसानों के स्लॉट बुक करना बंद कर देता है।

जिले में गेहूं खरीदी की मौजूदा स्थिति और आंकड़े इस प्रकार हैं-

अब तक खरीदी- करीब 2 लाख 80 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है।

शेष लक्ष्य- विभाग द्वारा जिले को दिए गए 3 लाख 50 हजार मीट्रिक टन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अभी 70 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी और होनी है।

भुगतान- पंजीकृत किसानों को अब तक 561 करोड़ रुपये की राशि उनके बैंक खातों में भेजी जा चुकी है, जबकि 173 करोड़ रुपये का भुगतान प्रक्रिया में है जो जल्द ही जारी किया जाएगा।

वेयरहाउस फुल, एफसीआई गोदामों में भेजा जा रहा है गेहूं

केंद्रों पर खरीदी की प्रक्रिया निरंतर जारी है। स्लॉट बुकिंग की दिक्कतों को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जिन खरीदी केंद्रों या वेयरहाउसों में भंडारण की जगह पूरी तरह भर चुकी है, वहां से गेहूं का तेजी से परिवहन कराकर उसे भारतीय खाद्य निगम के मुख्य गोदामों में शिफ्ट किया जा रहा है ताकि केंद्रों पर जगह की कमी न हो।

- चंद्रभान सिंह जादौन,
जिला आपूर्ति नियंत्रक

एनुअल रिपोर्ट - 2025 का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया न्यायमूर्ति सूर्यकान्त और अन्य अतिथियों ने जबलपुर के समारोह में एनुअल रिपोर्ट - 2025 का विमोचन किया।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों की प्रवेश समय-सारिणी में किया संशोधन

उच्च शिक्षा विभाग ने जारी किया संशोधित शेड्यूल

भोपाल। मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया की समय-सारिणी में आंशिक संशोधन किया है। विभाग ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का नया कार्यक्रम जारी कर दिया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार बीएड, एमएड सहित अन्य 11 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रथम चरण में ऑनलाइन पंजीयन अब 30 मई 2026 तक किए जा सकेंगे। वहीं आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 1 जून तक होगा। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार प्रथम चरण की मेरिट सूची 8 जून को जारी की जाएगी, जबकि सीटों का आवंटन 10 जून को किया जाएगा।

10 से 15 जून तक होगा दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन

सीट आवंटन के बाद विद्यार्थियों को आवंटित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेजों के साथ भौतिक सत्यापन कराना होगा। यह प्रक्रिया 10 जून से 15 जून तक चलेगी। इसके बाद विद्यार्थी आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क जमा कर 10 जून से 16 जून तक प्रवेश ले सकेंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने बताया कि द्वितीय चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया 18 जून से प्रारंभ होगी। इसके लिए ऑनलाइन पंजीयन 18 जून से 22 जून तक किए जाएंगे। विभाग ने विद्यार्थियों से संशोधित समय-सारिणी के अनुसार प्रक्रिया पूरी करने और निर्धारित तिथियों का पालन करने की अपील की है।

मेट्रो एंकर | इंदौर में बना उड़ता ड्रोन जैमर; स्वॉर्म अटैक' करेगा बेअसर, एक साथ गिराता है कई ड्रोन

हवा में ही दुश्मन के ड्रोन को निष्क्रिय करेगा नागपाश

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर के स्टार्टअप्स ने देश की सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यहां के तीन स्टार्टअप्स ने मिलकर हाईटेक ड्रोन 'नागपाश' डेवलप किया है। यह भारतीय रक्षा तकनीक की नई ताकत बनकर उभर रहा है। यह देश का पहला 'एयर टू एयर जैमिंग सिस्टम' है, जो हवा में उड़कर दुश्मन के ड्रोन को निशाना बनाता है और उसके नेविगेशन सिस्टम को निष्क्रिय कर हवा में ही गिरा देता है।

कंपनी का दावा है कि 'नागपाश' अपनी निर्धारित सीमा में आने वाले किसी भी ड्रोन को भ्रमित कर उसे दुर्घटनाग्रस्त कर सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इसके प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे भारतीय सेना के लिए बेहद उपयोगी तकनीक बताया है।

अब तक दुनिया में उपलब्ध अधिकांश जैमर स्थिर यानी जमीन पर लगाए जाने वाले होते हैं, जबकि 'नागपाश' उड़ान भरते हुए दुश्मन के ड्रोन तक पहुंचकर उसे वहीं निष्क्रिय कर देता है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। हाल ही में प्रयागराज में आयोजित 'नॉर्थ टेक 2026' कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को 'नागपाश' का प्रेजेंटेशन दिखाया गया। कंपनी के ष्टश्वह्र और ष्टञ्जह्र अभिषेक मिश्रा ने बताया कि रक्षा मंत्री ने इसे भारतीय सेना के लिए बेहद उपयोगी तकनीक बताया।

छह महीने पहले मिला अप्रूवल

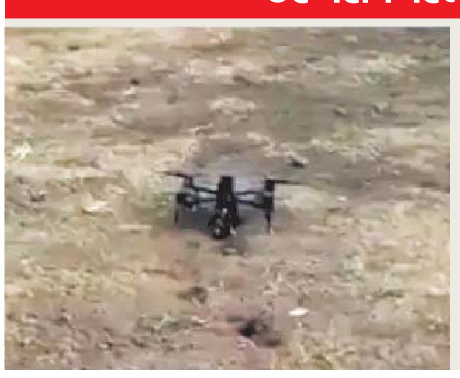

कंपनी की CPO रोशनी शुक्ला के मुताबिक 'नागपाश' को अप्रैल 2026 में रक्षा उपयोग के लिए 'नॉर्थ टेक' के फोकस ग्रुप-6 की आकलन टीम से अप्रूवल मिला है। यह सिस्टम विशेष रूप से रक्षा सेवाओं के लिए डेवलप किया है। कंपनी लंबे समय से डिफेंस एजेंसियों, रिसर्च सेंटरों और ट्रेनिंग सेंटरों के साथ काम कर रही है। इसी कारण इसकी मंजूरी प्रक्रिया में कोई बड़ी बाधा नहीं आई। 'नागपाश' का उपयोग मध्य प्रदेश के सागर, ग्वालियर, भोपाल और महू सहित कई क्षेत्रों में किया जा रहा है। इसके अलावा राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, लेह और अन्य सीमावर्ती इलाकों में भी इसके ट्रायल चल रहे हैं। ट्रायल सफल रहने के बाद इसे बड़े स्तर पर तैनात करने की तैयारी है।

700 से ज्यादा ड्रोन सेना को दिए

कंपनी का दावा है कि वह अब तक भारतीय सेना को अलग-अलग उपयोग के 700 से अधिक ड्रोन उपलब्ध करा चुकी है। इसके अलावा 2 हजार से ज्यादा सैनिकों और अधिकारियों को ड्रोन संचालन की ट्रेनिंग दी जा चुकी है। कंपनी देशभर में 25 से अधिक एडवांस ड्रोन लैब भी स्थापित कर चुकी है। कंपनी का कहना है कि उसका उद्देश्य भारत को रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भर बनाना है। एक्सपर्ट्स के अनुसार पहले उपयोग होने वाले जैमर मुख्य रूप से मिसाइल और विमान जैसे बड़े लक्ष्यों के लिए बनाए जाते थे।

भोपाल, रविवार, 17 मई 2026

स्क्रीन की दुनिया में सुकून की तलाश

बदलती मानसिकता और नया लाइफस्टाइल

आज की जीवनशैली में सबसे बड़ा बदलाव केवल दिनचर्या में नहीं, बल्कि सोच में दिखाई दे रहा है। कुछ वर्ष पहले तक तेज गति से काम करना, लगातार व्यस्त रहना और हर समय उपलब्ध रहना आधुनिक जीवन की पहचान माना जाता था। लेकिन अब लोग यह महसूस करने लगे हैं कि लगातार भागते रहने से जीवन बेहतर नहीं होता। काम, परिवार, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत संतोष के बीच संतुलन बनाना अब नई प्राथमिकता बनता जा रहा है।

आज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि तकनीक ने लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने के साथ-साथ कई बार भीतर से अकेला भी कर दिया है। एक व्यक्ति दिनभर सैकड़ों संदेशों और सूचनाओं के बीच रहता है, लेकिन उसके पास खुद के लिए कुछ शांत पल नहीं होते। सुबह आंख खुलते ही मोबाइल स्क्रीन और रात में सोने से पहले तक डिजिटल दुनिया का साथ कई लोगों की आदत बन चुका है। इसका असर केवल समय पर नहीं, बल्कि मानसिक स्थिति पर भी पड़ रहा है। लगातार सूचना और प्रतिक्रिया के दबाव ने लोगों में मानसिक थकान, बेचैनी और तनाव की स्थिति पैदा की है।

इसी कारण आज की मानसिकता में एक दिलचस्प बदलाव दिखाई दे रहा है। लोग अब दिखावे से अधिक सुकून की तलाश में हैं। महंगे लाइफस्टाइल, लगातार सोशल मीडिया उपस्थिति और बाहरी उपलब्धियों की बजाय लोग जीवन की छोटी खुशियों को महत्व देने लगे हैं। परिवार के साथ बैठकर भोजन करना, कुछ समय किताब पढ़ना, सुबह की सैर करना या कुछ देर बिना किसी स्क्रीन के समय बिताना अब लोगों को मानसिक राहत देता है।

विशेषज्ञों का भी मानना है कि जीवन में संतुलन की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है। कई लोग अब समझ रहे हैं कि सफलता का अर्थ केवल अधिक कमाना नहीं है। यदि व्यक्ति के पास आराम का समय नहीं है, पर्याप्त नींद नहीं है और मानसिक शांति नहीं है, तो उपलब्धियां भी अधूरी लग सकती हैं। यही कारण है कि आज छोटे लेकिन नियमित बदलावों की प्रवृत्ति बढ़ रही है। लोग कठिन लक्ष्य निर्धारित करने की बजाय सरल आदतों को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं।

खान-पान और स्वास्थ्य को लेकर भी सोच बदली है। त्वरित परिणाम पाने की होड़ धीरे-धीरे कम हो रही है। लोग अब शरीर की जरूरतों को समझने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर ध्यान दे रहे हैं। संतुलित भोजन, नियमित दिनचर्या और पर्याप्त आराम को लोग बेहतर जीवन की बुनियाद मानने लगे हैं।

युवाओं की सोच में भी परिवर्तन साफ दिखाई देता है। वे केवल नौकरी और आर्थिक सफलता को जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं मान रहे। वे अपने शौक, व्यक्तिगत समय, यात्रा और मानसिक शांति को भी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा समझ रहे हैं। यह बदलाव केवल एक फैशन नहीं, बल्कि जीवन को अधिक संतुलित और अर्थपूर्ण बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। आने वाले समय में लाइफस्टाइल की सबसे बड़ी पहचान शायद महंगे साधन या तेज रफ्तार जीवन नहीं होगी। असली पहचान इस बात से बनेगी कि व्यक्ति अपने लिए कितना समय निकाल पा रहा है और अपने भीतर कितनी शांति महसूस कर रहा है। क्योंकि आधुनिक जीवन में सबसे दुर्लभ चीज अब समय नहीं, बल्कि मन का सुकून बनती जा रही है।

दिखावे से अधिक सादगी की ओर रुझान

आज की मानसिकता के पांच संकेत दिखाई देते हैं उनमें व्यस्तता से ज्यादा संतुलन की चाह, दिखावे से अधिक सादगी की ओर रुझान, मानसिक शांति को प्राथमिकता, परिवार और निजी समय की बढ़ती जरूरत और डिजिटल दुनिया से सीमित दूरी हैं। अब सलाह दी जाने लगी है कि सुबह कुछ समय बिना मोबाइल के बिताएं, दिन में कम से कम 20 मिनट पैदल चलें, भोजन के दौरान स्क्रीन से दूरी रखें, अपने किसी शौक के लिए समय निकालें और पर्याप्त नींद को महत्व दें। 'जीवन की रफ्तार कम करना पीछे रह जाना नहीं, बल्कि खुद को समझना है।'

जीवन-ज्योति

मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण उसका अच्छा आचरण

सिस्टर बीके शिवानी
मोटिवेशनल स्पीकर

मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण उसका अच्छा आचरण होता है। हम अक्सर जीवन में सफलता, धन, पद और उपलब्धियों को महत्व देते हैं, लेकिन यदि हमारा व्यवहार और चरित्र सही नहीं है, तो ये सब बातें अधूरी रह जाती हैं। व्यक्ति की पहचान उसके शब्दों से कम और उसके आचरण से अधिक होती है। जो हम दूसरों के साथ करते हैं, वही हमारी वास्तविक पहचान बनता है। मैं यह भी मानती हूँ कि अच्छा आचरण बाहर से नहीं आता, वह हमारे भीतर के विचारों से जन्म लेता है। हर कर्म से पहले एक विचार आता है। यदि मेरे मन में शांति है, तो मेरे शब्दों में भी शांति होगी। यदि मेरे मन में प्रेम है, तो मेरे व्यवहार में भी प्रेम दिखाई देगा। लेकिन यदि मेरे भीतर क्रोध, ईर्ष्या, तुलना और नकारात्मकता भरी है, तो वह किसी न किसी रूप में बाहर आएगी। इसलिए केवल व्यवहार बदलने की कोशिश पर्याप्त नहीं है, पहले विचारों को बदलना जरूरी है।

आज लोग कहते हैं कि दुनिया बदल गई है, इसलिए अच्छे लोगों को कठिनाइयाँ झेलनी पड़ती हैं। लेकिन मैं ऐसा नहीं मानती। अच्छा आचरण परिस्थिति देखकर नहीं बदलना चाहिए। यदि सामने वाला व्यक्ति कठोर व्यवहार करता है, तो यह उसका संस्कार है; लेकिन मैं कैसी प्रतिक्रिया देती हूँ, यह मेरा संस्कार है। यदि मैं भी उसी प्रकार प्रतिक्रिया दूँ, तो मैं अपनी आंतरिक शक्ति खो दूँगी। अच्छाई कमजोरी नहीं है, बल्कि यह आत्मबल का प्रमाण है। मैं मानती हूँ कि दूसरों को सम्मान देना अच्छे आचरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सम्मान का अर्थ केवल बड़े लोगों का आदर करना नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति को उसकी गरिमा के साथ स्वीकार करना है। हर व्यक्ति अपने अनुभवों और परिस्थितियों से गुजर रहा है। हम उसके जीवन की पूरी कहानी नहीं जानते, इसलिए जल्दी निर्णय करना उचित नहीं है। जब हम दूसरों को स्वीकार करना सीखते हैं, तब हमारे संबंध भी मधुर होने लगते हैं।

अच्छा आचरण हर दिन का अभ्यास

अच्छा आचरण केवल समाज के लिए नहीं, हमारे अपने मन के लिए भी आवश्यक है। जब हम किसी के प्रति प्रेम, सहयोग और दया का भाव रखते हैं, तब हमारे भीतर भी शांति पैदा होती है। लेकिन जब हम शिकायत, आलोचना और क्रोध में रहते हैं, तब सबसे पहले हमारा अपना मन अशांत होता है। इसलिए अच्छे व्यवहार का लाभ केवल दूसरे को नहीं, स्वयं हमें भी मिलता है। मैं यह भी मानती हूँ कि अच्छा आचरण कोई एक दिन का निर्णय नहीं, बल्कि हर दिन का अभ्यास है। छोटी-छोटी बातें जैसे मुस्कुराकर बात करना, धन्यवाद कहना, किसी की सहायता करना, माफ करना और विनम्र बने रहना—ये साधारण बातें ही असाधारण व्यक्तित्व बनाती हैं। मेरे लिए अच्छा आचरण यही है कि परिस्थिति कैसी भी हो, मैं अपने मूल गुण—शांति, प्रेम, करुणा और सम्मान—को न छोड़ूँ। यही मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति और सबसे सुंदर पहचान है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 17 मई से 23 मई तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि आगामी सप्ताह में मेष राशि के जातकों को धन लाभ कुटुंब जनों से मिलने का अवसर साथी अपने माता-पिता के निकट रहने का अवसर प्राप्त होगा ,संतति के कार्यों में कुछ विशेष व्यस्तता रहने के संकेत भी इस सप्ताह में मिल रहे हैं ,संतति के कार्य में उन्नत होने से आपके मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा, विद्यार्थी वर्ग के लिए यह सप्ताह सुखद अनुभूति और समाचार लेकर आएगा।

वृषभ: राशि के जातकों को यह सप्ताह उन्नति कारक आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि धार्मिक और मांगलिक कार्यों के सफलता के सूत्र होने से आपके मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा, सामाजिक प्रतिष्ठा के कार्यों में सफलता और विशेष धर्म स्थलों की यात्रा का सहयोग बना रहा है। परिणाम स्वरूप आपके परिवार में हर्ष और उल्लास का वातावरण बना रहेगा ,व्यापारिक क्षेत्र के कार्य करने वाले जातकों को यह सप्ताह अनुकूल बना रहेगा।

मिथुन: राशि के जातकों को यह सप्ताह व्यवहार का सप्ताह रहेगा, प्रारंभिक तीन दिनों में अधिक व्यस्तता व्यवहार की अधिकता बनी रहेगी ,लेकिन चौथे दिन से आपके धन गम की स्थिति पुणे निर्मित होगी, और जो आगामी सप्ताह में सप्ताह अंत तक आपके व्यापार व्यवसाय कृषि किसी भी क्षेत्र के जातक हूं लाभान्वित होते रहेंगे।

कर्क: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल प्रतीत होता है। विशेष धार्मिक प्रसंग तीर्थ की यात्रा मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बनने से आपके घर परिवार में उल्लास का वातावरण बना रहेगा, कृषि एवं व्यापार के क्षेत्र में कार्य कर रहे जातकों को यह सत्ता लाभकारी सिद्ध होगा अनेक स्थानों पर भ्रमण से आपके ज्ञान में वृद्धि होने के संकेत हैं।

सिंह: राशि के जातकों को सामाजिक क्षेत्र में कार्य की अधिकता विश्वसनीय लोगों के माध्यम से आपके कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होने के कारण आपके मन में असंतोष का भाव हो सकता है, खासकर आप अपनी कीमती वस्तुओं के विषय में चिंतित हो सकते हैं तथा सावधानी से कार्य करें, घर परिवार मेंअसुरक्षा का वातावरण उत्पन्न न होने दें।

कन्या: राशि के जातक आगामी सप्ताह में निरंतर यात्रा होने से थकान महसूस कर सकते हैं। यात्रा में कठिनाई कठिन परिश्रम करने से बच्चे पहाड़ी क्षेत्र की यात्रा करने से परहेज करें, अतः आप परेशानी में पढ़ सकते हैं। विशेष रूप से बुजुर्ग 60 वर्ष से ऊपर की आयु के व्यक्ति इस बात का विशेष ध्यान रखें।

तुला: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता अर्जित कर सकते हैं। आपका मान सम्मान बढ़ेगा साथी कार्य क्षेत्र में प्रगति होने से आए के साधनों में वृद्धि होगी, कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातक एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को भी विशेष सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं, सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल होने के संकेत हैं, आपके कार्यों में आ रही बढ़ाएं दूर होगी आपको ऐसे मार्गदर्शक वरिष्ठ विद्वान व्यक्तियों से मेल मुलाकात होगी, उनका मार्गदर्शन मिलने से आपकी समस्याओं का निवारण होने के संकेत हैं। भवन भूमि संबंधी कार्यों में आ रही बढ़ाएं दूर होने के समाचार मिलने से परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

धनु: राशि के जातकों को सप्ताह में कुछ प्रारंभिक व्यवधानों के बाद उत्तम सफलता मिलने के संकेत हैं, अति व्यस्तता यात्रा के कारण व्यवहार की अधिकता हो सकती है, आई और व्यय में संतुलन बनाने की आवश्यकता है, सप्ताह अंत में आपको धनागम का अवसर मिलेगा,रुका हुआ धन प्राप्त होने के अवसर दिखाई दे रहे हैं।

मकर: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत व्यस्तता भरा रहेगा ,सामान्य आपका स्वभाव के विपरीत आपको अनेक स्थलों का भ्रमण करने का कारण मिल सकता है ।शासकीय शासकीय क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी जनों को यह अवसर लाभान्वित करने वाला भी रहेगा, कुछ एक अवसरों पर आपको कठिनाई का सामना भी करना पड़ सकता है, अतः अपनी यात्रा में सावधानी कीमती वस्तुओं का सुरक्षा चक्र मजबूत रखने की आवश्यकता बनी हुई है।

कुंभ: राशि के जातकों को यह सप्ताह उत्तम सफलता देने वाला है, आपकी प्रसिद्ध यश कीर्ति बढ़ने से कुछ लोगों को परेशानी का सबब हो सकता है, अतः ऐसे लोगों के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है ।आपका संतति के प्रति कर्तव्य करने का संकल्प भी पूर्ण होने की और बढ़ रहा है। व्यापार व्यवसाय कृषि संबंधी कार्यों में विशेष सफलता प्राप्त होने के संकेत है।

मीन: राशि के जातकों को यह सप्ताह मिश्रित सफलता देने वाला है। प्रारंभिक कठिनाई के बाद तीसरे चौथे पांचवें छठवें सातवें दिन आपको निरंतर प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे। वरिष्ठ जनों की सलाह एवं विशेषज्ञों की सलाह से कार्य करें तो आपके समस्त प्रावधान दूर हो जाएंगे, धार्मिक निष्ठा सनातन संस्कृति के प्रति आस्था होने से आप सुखद अनुभूति प्राप्त करेंगे। यज्ञ ,अनुष्ठान में आपकी अभिरुचि विशेष रूप से बनी रहेगी।

दिया कबीरा रोय

सुधीर नायक
व्यंग्यकार-ट्रेड यूनियन लीडर

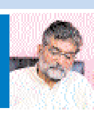

रसगुल्ले बचे रहें

वक्त कैसे बदलता है यह देखना हो तो रेवड़ी को देखिए। ये नन्ही मुन्नी रुखी सूखी गुमनाम सी मिठाई सारी मिठाइयों पर भारी है।एक वक्त था जब रसगुल्ले,जलेबी, लड्डू, बर्फी, हलवा-ये सभी रेवड़ी को हिकारत की नजरों से देखते थे। हालत यह थी कि ये लोग रेवड़ी को मिठाई मानने ही तैयार नहीं थे। आज ये सब रेवड़ी पर नाज़ कर रहे हैं। खींचतान कर रेवड़ी से रिश्तेदारी निकाल रहे हैं। रेवड़ी ने मिठाई जगत का नाम रोशन कर दिया।आज बड़े बड़े सूरमा रेवड़ी के रहमो-करम पर हैं। बड़े-बड़े पहलवान जब अखाड़े में लड़खड़ाते हैं तो रेवड़ी की शरण में जाते हैं। किसी को पता नहीं था कि इस नन्हीं सी काया में अपार बल समाया है। मैंने कक्काजी से पूछा आप लोग हमेशा रेवड़ी ही क्यों बांटते हो?और भी मिठाइयां हैं। रसगुल्ले क्यों नहीं बांट देते? जलेबी वितरण शिविर क्यों नहीं लगा देते? कक्काजी हंसने लगे।बोले-यही तो तुम में और हम में अंतर है।यही बात तुम समझ जाते तो कक्काजी नहीं हो जाते।अरे भाई हम रसगुल्ले बांट देंगे तो हम क्या खायेंगे?हमारा रसगुल्ला बचा रहे इसी चक्कर में तो हम रेवड़ी बांट देते।भीड़ रेवड़ी की तरफ लपकती है तब तक हम रसगुल्ला गप कर जाते हैं। रेवड़ी दे दो तो रसगुल्ला हमारे लिए बचा रहता है। मैंने कहा लेकिन कक्काजी आपने अपने पांव पर कुल्हाड़ी पटक ली।भीड़ को मीठे का स्वाद लगा दिया।अब वह रेवड़ी पर रुकी नहीं रहेगी।देर सवेर रसगुल्ला भी मांगेगी।आप कितना भी मुंह पोंछ लो आपकी मूंछों में लगी चाशनी भीड़ को दिख गयी है। वे रसगुल्ला मांगेंगे तब क्या करोगे आप?

कक्काजी चौंके।मुझे घूरकर देखा। लपककर अंदर गये और एक रसगुल्ला लाकर मेरे मुंह में ठूंस दिया।मैं आगे कुछ और बोलने वाला था पर क्या करता? रसगुल्ला बड़ा था।मेरा मुंह बंद हो गया।

चेंजिंग ट्रेंड्स

एक बार फिर आ रहा है तार वाले ईयरफोन का क्रेज, सेल में देखी जा रही भारी उछाल

तार वाले ईयरफोन जिन्हें दुनिया लगभग भुला चुकी थी, उन्होंने जबरदस्त वापसी की है। लगातार पांच साल गिरावट देखने के बाद दुनियाभर में वायर्ड ईयरफोन की सेल में 20 फीसदी की जबरदस्त उछाल आया है। गैजेट गुरु राजीव मखनी ने इस क्रेज और ट्रेंड के 4 कारण बताए हैं। तार वाले ईयरफोन की बिक्री का एक प्रमुख कारण बैटरी और चार्जिंग से झंझट से मुक्ति है। राजीव के अनुसार, स्वास्थ्य भी इन्हें फिर से अपनाने की वजह बन रहा है।

मार्केट रिसर्च फर्म 'सिरकाना' के आंकड़ोंके अनुसार, पिछले साल यानी 2025 में ही वायर्ड ईयरफोन की कमाई 3 फीसदी बढ़कर करीब 15 मिलियन डॉलर (लगभग 125 करोड़ रुपये) पहुंच गई थी। इस साल 2026 के शुरुआती महीनों में इसमें और भी तेजी देखी गई है। एक वीडियो में राजीव ने कहा कि कुछ लोग तार वाले ईयरफोन्स की सेल को नॉस्टेल्जिया (पुरानी यादों) से जोड़ रहे हैं, लेकिन इनकी बिक्री में तेजी के चार कारण हैं। राजीव ने बताया, लोगों को लंबे समय तक वायरलेस ईयरबड्स इस्तेमाल करने से सिरदर्द और कानों में भिनभिनाहट जैसी दिक्कतें हो रही हैं, खासकर तेज आवाज में सुनने पर। इसलिए वो वायर्ड इयरफोन ले रहे हैं।

दूसरा कारण है रेडिएशन का डर। लोगों को डर है कि

वायरलैस ईयरफोन के कारण ब्लूटूथ रेडिएशन सीधे कानों में जा रहा है। तीसरा कारण है सहूलियत। वायर्ड ईयरफोन्स को न तो चार्जिंग की जरूरत होती है और न ही इनमें बैटरी की कोई समस्या होती है। चौथा कारण पैसे की बचत है, क्योंकि एक हजार के वायर्ड ईयरफोन की साउंड क्वालिटी 20 हजार वायरलैस ईयरफोन जितनी ही अच्छी या उससे भी बेहतर होती है।

स्मार्टफोन कंपनियों के लिए चुनौती

तार वाले ईयरफोन्स की सेल बढ़ती है तो यह स्मार्टफोन कंपनियों के लिए भी चुनौती बनेगी, क्योंकि तमाम कंपनियों ने अपने प्रीमियम फोन्स में 3.5mm का हेडफोन जैक बंद कर दिया है और वायर्ड ईयरफोन उसी पर कनेक्ट होते हैं। हालांकि कुछ फोन में टाइप-सी कनेक्टर का उपयोग करके भी ईयरफोन को जोड़ा जा सकता है।

सेलीब्रिटीज कर रहे लोगों को प्रभावित

तार वाले ईयरफोन्स की सेल में बढ़ोतरी का एक कारण सेलीब्रिटीज भी हैं। पिछले साल से ही हॉलीवुड और बॉलीवुड सेलीब्रिटीज को तार वाले ईयरफोन्स लगाते हुए पब्लिक प्लेस में देखा गया है। कई सेलिब्रिटीज को तो बिना इंटरनेट वाले बेसिक फोन के साथ वायर्ड हेडफोन लगाते हुए देखा गया है। इस ट्रेंड में सफेद रंग के ईयरफोन ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। फिल्मी सितारों से लेकर स्पोर्ट्स प्लेयर्स और राजनेताओं को वायर्ड ईयरफोन्स उपयोग करते हुए देखा गया है।

न्यूज विंडो

अवैध कोयला भंडारण एवं मिट्टी उत्खनन पर संयुक्त कार्रवाई

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से सख्त कार्रवाई जारी है। ग्राम केसला (तहसील इटारसी) में मिली शिकायत पर राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने स्थल पर जांच की, जहाँ निजी भूमि के आंशिक भाग पर कुल 3.10 टन अवैध कोयला भंडारित पाया गया। संबंधित कोयले को जब्त कर लिया गया है और अवैध भंडारणकर्ता के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई प्रारम्भ कर दी गई है। इसी क्रम में ग्राम मोहासा व मकोडिया क्षेत्र में भी राजस्व, खनिज तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें सक्रिय रहीं। इन क्षेत्रों में अवैध मिट्टी के उत्खनन तथा अवैध परिवहन की शिकायतों पर संगठित अभियान चलाकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

एसडीओपी पूजा पांडे ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, याचिका पर 18 को सुनवाई

सिवनी। जिले के बहुचर्चित हवाला डकैती कांड की मुख्य आरोपी एसडीओपी पूजा पांडे ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उनकी जमानत याचिका पर 18 मई को सुनवाई निर्धारित की गई है। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई सूची में यह मामला दसवें नंबर पर है। इस प्रकरण में एसआई अर्पित भैरम भी आरोपी हैं, जिन्हें अभी तक अदालत से राहत नहीं मिली है।

पांढुर्णा के एक शादी समारोह से रुपए से भरा बैग चोरी, सीसीटीवी में दिखा व्यक्ति

पांढुर्णा। पांढुर्णा शहर के शनि मंदिर के पास डवरे हॉल में आयोजित एक शादी समारोह से रुपए से भरा बैग चोरी हो गया। यह घटना बीती रात हुई, जो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, सुभाष वार्ड निवासी शिक्षक श्रवण इवनाती के बेटे निरंजन इवनाती का विवाह समारोह था। दूल्हा-दुल्हन स्टेज पर मेहमानों के साथ तस्वीरें खिंचवाने और स्वागत में व्यस्त थे। इसी दौरान एक युवक ने मौके की रेकी की और धीरे से स्टेज के पीछे पहुंचकर वहां रखा रुपयों से भरा बैग उठा लिया और फरार हो गया।पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी युवक की तलाश कर रही है।

इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर नाकाबंदी कर की पुलिस ने कार्रवाई

अवैध बीयर से भरी पिकअप पकड़ाई तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

सरदारपुर पुलिस ने इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर नाकाबंदी कर अवैध बीयर से भरी एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप गाड़ी को पकड़ा है। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार सरदारपुर थाने के उप निरीक्षक नवलसिंह बघेल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन मार्ग से एक सफेद रंग की महिंद्रा बोलेरो पिकअप क्रमांक एमपी 28 जी 4944 जो नीले रंग की तिरपाल से ढकी हुई है, भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर सरदारपुर की ओर आ रही है। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर, पारूल बेलापुरकर एवं एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अनिल कुमार जाधव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस ने टीम ने थाने के सामने नाकाबंदी की, कुछ ही देर में संदिग्ध पिकअप आती दिखी, जिसे पुलिस ने पंचों की मदद से रोक लिया। गाड़ी रुकते ही उसमें सवार तीन लोग कूदकर भागने लगे, जिन्हें पुलिस बल ने घेराबंदी कर मौके पर ही पकड़ लिया।

पिकअप में मिली अवैध शराब

पुलिस ने जब तिरपाल हटाकर पिकअप की तलाशी ली, तो उसमें बोल्ट कंपनी की बीयर की कुल 40 पेटियां भरी हुई पाई गईं। जिसकी कीमत एक लाख रुपयों से अध?िक है, आरोपियों के पास शराब परिवहन से जुड़ा कोई भी वैध दस्तावेज नहीं मिला। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पुलिस ने पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी ई-साक्ष्य ऐप के माध्यम से की। पुलिस ने अवैध बीयर और पिकअप वाहन सहित कुल 9 लाख 24 हजार 800 रुपये की सामग्री जब्त की है। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराके तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। कार्यवाही के दौरान पुलिस ने भारत पिता लेहरु भाबोर निवासी ढोलियावड़, पंकज पिता जुवान सिंह भाबोर निवासी ढोलियावड़ व दिवान पिता शंकर भाबोर निवासी ढोलियावड़ तीनों निवासी झाबुआ को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अनिल कुमार जाधव, उप निरीक्षक जगदीशचन्द्र निनामा, उप निरीक्षक नवलसिंह बघेल, प्रधान आरक्षक मोहनसिंह गामड़, सरदारसिंह डोडवे, आरक्षक प्रताप डोडियार, सुरेश मईड़ा, मनोज मुजाल्दे और सैनिक गोवर्धन मारू का विशेष और सराहनीय योगदान रहा।

नर्मदापुरम में रात्री चौपाल

कलेक्टर-एसपी ने मुस्तैदी से सुनी समस्याएं अवैध शराब मामले पर की तत्काल कार्रवाई

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

प्रशासन आपके द्वार रात्रि चौपाल जनसंवाद एवं शिकायत निवारण शिविर शनिवार को मंगल तुलसी विहार कॉलोनी में आयोजित किया गया। शिविर में कलेक्टर सोमेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा के साथ कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र के काफी संख्या में नागरिक शामिल हुए और उन्होंने अपनी-अपनी समस्याएँ प्रशासन के सामने रखीं।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने आम लोगों की शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। स्ट्रीट लाईट, सफाई, सड़क मरम्मत, पानी एवं सुरक्षा से जुड़ी अनेक शिकायतों का रिकार्ड लिया गया और तुरंत निवारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देश जारी किए गए। कई मामलों में तत्काल कार्रवाई कर समस्याओं का निपटारा भी किया गया। अवैध शराब विक्रय और अन्य अपराधों के प्रति प्रशासन ने शून्य सहनशीलता का संदेश देते हुए चौपाल में उपस्थित लोगों को आश्वासन दिया कि ऐसे कृत्यों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस. थोटा द्वारा पूछताछ के दौरान एक महिला ने कॉलोनी में अवैध तरीके से शराब बेचने की शिकायत दी। शिकायत में बताई गई स्थानिक जानकारी के आधार पर पुलिस अधीक्षक ने तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए और संबंधित थाना की टीम को मौके पर भेजा गया। अधिकारियों ने नागरिकों से सहयोग बनाए रखने का आग्रह करते हुए कहा कि किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तुरंत प्रशासन या पुलिस को सूचित करें ताकि त्वरित कार्यवाही हो सके।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि प्रशासन आपकी समस्याओं को प्राथमिकता देता है और ऐसे रात्रि चौपाल जैसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे ताकि लोगों की समस्याओं का त्वरित निवारण सुनिश्चित हो सके। पुलिस अधीक्षक ने भी नागरिकों को आश्वस्त किया कि कानून व्यवस्था बनाए रखी जाएगी और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिविर में उपस्थित लोगों ने प्रशासन की पहल की सराहना की और कहा कि सीधे अधिकारियों से बातचीत करने का यह मंच उनके लिए उपयोगी साबित हुआ।

शिकायत... महिला तहसीलदार ने पति पर मारपीट का लगाया आरोप

गुना। दोपहर मेट्रो

महिला तहसीलदार के साथ पति के द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। मामला गुना जिले का है जहां पदस्थ महिला तहसीलदार आरती गौतम ने पति के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में तहसीलदार आरती गौतम ने आरोप लगाया है कि पति शादी के बाद से ही उन्हें प्रताड़ित करते हैं और शनिवार दोपहर को भी पति ने मारपीट की है, जिससे मुंह में अंदरूनी चोट आई है। पुलिस ने महिला तहसीलदार की शिकायत पर उनके पति विजेन्द्र के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है।

महिला तहसीलदार आरती गौतम ने गुना के केंट पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी शादी 21 जनवरी 2020 को मुरैना जिले के सुसानी के रहने वाले विजेन्द उचाड़िया के साथ हुई थी। शादी के बाद विदा होकर 22 जनवरी 2020 को वह ग्राम सुसानी पहुंची तो देवर से हंसी-मजाक करते हुए पति विजेन्द्र ने देख लिया। देवर से हंसी-मजाक करना पति को इतना बुरा लगा कि उन्होंने अश्लील गालियां दीं और शादी की रात ही सारे गिफ्ट फेंककर मुझसे कहा कि तुझे तो नौकरी वाला लड़का ही चाहिए था।

पीड़ित महिला तहसीलदार आरती गौतम ने पुलिस को बताया कि पति विजेन्द्र शादी की पहली रात से ही उन्हें प्रताड़ित कर रहा है। तहसीलदार आरती गौतम के मुताबिक जब उनकी पोस्टिंग भिंड में हुई तो वहां भी पति विजेन्द्र ने उन्हें पैसे आदि को लेकर प्रताड़ित किया, उसे मायके नहीं जाने देते थे और इतना ही नहीं पिता से पैसे लाने की बात कहकर उस पर दबाव डालते और मारपीट करते थे। पीड़ित महिला तहसीलदार आरती गौतम के मुताबिक वो शनिवार दोपहर को अपने गुना स्थित सरकारी आवास पर थीं। इसी दौरान पति विजेन्द्र ने उनसे पैसों और ज्वेलरी मांगी, जब उन्होंने मना किया तो पति ने उनके साथ मारपीट की, जिससे उनके मुंह में अंदरूनी चोट आई है। पति के द्वारा मारपीट किए जाने के बाद तहसीलदार आरती गौतम ने केंट थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

शिव महापुराण कथा का दूसरा दिन

शिवपुराण कथा ही कलयुग के पापों से मुक्ति का सर्वोत्तम मार्ग: आचार्य विकास ऐलिया

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नई न्यायालय रजोदा रोड स्थित नागेश्वर पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में आयोजित शिव महापुराण कथा के द्वितीय दिवस पर कथा वाचक आचार्य पंडित विकास आनंद ऐलिया ने श्रद्धालुओं को शिवमहिमा का रसपान कराया। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि जिसे भगवान का प्रेम प्राप्त हो जाए, वह सबसे भाग्यशाली होता है और जो भगवान को जानने की जिज्ञासा रखता है, वही सच्चा भाग्यवान कहलाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान कलयुग में बड़े-बड़े महात्माओं ने गहन चिंतन कर यह बताया है कि जो व्यक्ति भक्ति को धारण कर लेता है, वह कलयुग के प्रभाव से बच जाता है। जीवन में जब तीनों ताप मनुष्य को परेशान करें तो भगवान की शरण में पहुंच जाना चाहिए, जिससे सभी दुखों से मुक्ति मिलती है। आचार्य ऐलिया ने कहा कि जब तक शिवपुराण हमारे जीवन में शामिल नहीं होगा, तब तक कलयुग के पाप मनुष्य को परेशान करते रहेंगे। यही शिवपुराण की महिमा है। भगवान शंकर मंगलमय हैं, उनका नाम और ध्यान भी कल्याणकारी है। शिव जैसा समदर्शी कोई नहीं, वे देव और दैत्य दोनों पर समान कृपा बरसाते हैं। कथा के दौरान भजन एवं शिवमहिमा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि प्रभु की कथा देवताओं को भी दुर्लभ है। मनुष्य जीवन प्रभु की प्राप्ति के लिए मिला है। यदि मनुष्य प्रभु का भजन, भक्ति और शरण ग्रहण नहीं करता तो उसका जीवन व्यर्थ समान है। प्रभु की कथा मनुष्य को भवबंधन और पापों से मुक्त कर ईश्वर से मिलाती है। ईश्वर प्राप्ति के लिए कथा सबसे श्रेष्ठ साधन है। इस अवसर पर अतिथिगण सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कटनी के बहोरीबंद पटोरी साइलो खरीदी केंद्र पर किसानों का गुस्सा फूटा, धरने पर बैठे

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के बहोरीबंद इलाके में स्थित पटोरी साइलो खरीदी केंद्र पर किसानों का गुस्सा फूटा। भीषण गर्मी में कई दिनों से अपनी फसल बेचने का इंतजार कर रहे किसानों ने संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिलकर सलैया-सिहोरा रोड पर चक्काजाम कर दिया और वहीं धरने पर बैठ गए।किसानों का आरोप है कि साइलो केंद्र पर इंतजाम पूरी तरह चौपट हैं। तपती धूप में न तो किसानों के लिए छांव का कोई इंतजाम है और न ही पीने के ठंडे पानी की कोई व्यवस्था। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की कई किलोमीटर लंबी लाइन लगी हुई है, जिसकी वजह से किसानों को दो-दो, तीन-तीन दिन तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है।किसानों का कहना है कि जब तक उनकी समस्याओं का ठोस समाधान नहीं होता, वे अपना विरोध जारी रखेंगे।

कुल्फी के पैसे मांगने पर गर्भवती महिला के पेट में मारी लात, घर में हुआ गर्भपात

रीवा। दोपहर मेट्रो

मऊगंज जिले से चौंका देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक गर्भवती महिला के साथ मामूली बात को लेकर युवकों ने मारपीट की। मारपीट के दौरान एक युवक ने महिला के पेट पर लात मार दी जिससे उसका गर्भपात हो गया। महिला 3 महीने की गर्भवती थी। महिला को परिजन उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर आए जहां से उसको संजय गांधी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने चार युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।बच्चे को खोने के बाद महिला सदमे में है। मामला मऊगंज जिले के नईगढ़ी थाने के शिवराजपुर गांव का है। यहां 25 वर्षीय साधना साकेत पति अरुण साकेत 15 मई की रात करीब 9 बजे शौच के लिए जा रही थी। खेत में आरोपी अंकित साकेत, बसंत साकेत, अशोक साकेत, राजेश साकेत मिले जिन्होंने महिला को रोक लिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। इस दौरान एक आरोपी ने महिला के पेट में लात मार दी जिससे उसको दर्द शुरू हो गया। बाद में आरोपी धमकाते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित महिला ने घर आकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। मारपीट की वजह से रात करीब 1 बजे महिला को गंभीर चोटें आई और ज्यादा खून बह जाने की वजह से उसका गर्भपात हो गया। वह तीन माह की गर्भवती थी। दूसरे दिन परिजन उसे उपचार के लिए नईगढ़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर आए जहां से चिकित्सकों ने उसे संजय गांधी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। महिला ने बताया कि उसने इससे पहले गर्भ की कोई सरकारी जांच नहीं कराई थी।

मेट्रो एंकर

भीषण गर्मी में बेजुबानों का सहारा बनी पंचतत्व समिति

पशुओं के लिए शहरभर में रखवाई पानी की टंकी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

भीषण गर्मी में प्यास से परेशान बेजुबान पक्षियों और आवारा पशुओं के लिए पंचतत्व संरक्षण समिति मानवता की मिसाल पेश कर रही है। समिति ने नव संवत्सर एवं गुड़ी पड़वा से शुरू किए गए पक्षी चेतना अभियान के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पानी की टंकियां रखवाकर जीवों के लिए राहत की व्यवस्था की है। समिति के इस सेवा कार्य को नगरवासियों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। समिति द्वारा प्रमुख चौराहों और कॉलोनियों में पानी की टंकियां रखी गई हैं, जिनकी देखरेख और नियमित पानी भरने की जिम्मेदारी स्थानीय नागरिकों ने अपने स्तर पर संभाली है। गोकुलधाम कॉलोनी में देवेंद्र यादव, अनुज्ञा यादव एवं उनके परिवार ने जिम्मेदारी ली।

बरेठ रोड भावसार पुलिया पर अंकुश महलवार टंकी भर रहे हैं। त्योंदा रोड पर संजय जैन व्यवस्था संभाल रहे हैं। रतनदीप कॉलोनी में सुदर्शन राजपूत जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कॉन्वेंट स्कूल के पास मुकेश सक्सेना, प्रीति सक्सेना एवं परिवार द्वारा पानी की व्यवस्था की जा रही है। स्टेशन रोड स्टेट बैंक के सामने बबलू सेन द्वारा टंकी भरी जा रही है। लवकुश कॉलोनी में सुश्री पलक तिवारी ने जिम्मेदारी संभाली है। समिति द्वारा बरेठ रोड क्षेत्र में पक्षियों के लिए मिट्टी के सकोरे भी वितरित किए गए, ताकि लोग अपने घरों की छतों और बालकनी में पक्षियों के लिए पानी रख सकें। समिति के सदस्य प्रमोद सिंह ने बताया कि यह अभियान पूरी गर्मी भर लगातार जारी रहेगा। समिति ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने घरों के बाहर और छतों पर बेजुबानों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था अवश्य करें। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह दांगी, सचिव प्रमोद सिंह राजपूत, सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, पत्रकार ओमप्रकाश चौरसिया, राकेश तनवानी, मनोज नगीना, मनोज गुप्ता, आनंद जैन, दंगल यादव, श्रुति जैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

न्यूज विंडो

दो सौ रेल कर्मचारियों ने मजदूर संघ की सदस्यता ली

नरसिंहपुर। वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के मंडल सचिव का आगमन शनिवार को नरसिंहपुर स्टेशन पर हुआ । स्टेशन पर कार्यक्रम में जिला सचिव सुनील जाट के द्वारा स्वागत किया गया। वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ की मजदूर हितैषी नीति नीति से प्रेरित होकर लाल झंडा के पदाधिकारी सीनियर सेक्शन इंजीनियर सुमन कुमार अपने सभी साथियों के साथ एवं सीनियर सेक्शन इंजीनियर टी आर डी अखिलेश झरवड़े, सीनियर सेक्शन इंजीनियर अभिमन्यु चौहान, कार्य निरीक्षक दिनेश कौरव सहित करीब दो सौ रेल कर्मचारियों ने मजदूर संघ की सदस्यता ली। जिला सचिव सुनील जाट ने कहा कि हमारा संगठन गांधी वादी विचार धारा से प्रेरित होकर कर्मचारी हित में कार्य करता है । मंडल सचिव डी पी अग्रवाल ने मंडल स्तर पर कर्मचारियों के हित में अन्य फोरम में उठाए जाने वाले मुद्दों के बारे में कर्मचारियों को बताया एवं आठवे पे कमीशन के बारे में कर्मचारियों से चर्चा की। इस अवसर पर नम्रता सोलंकी , सुषमा बाई, आरिफ ख़ान, भारत सिंह , राजेंद्र , बंटी राजपूत, विकास श्रीवास्तव , मान सिंह , ताराचंद , निरंजन सिंह , नईम खान , पवन रजक, पंकज बघेल सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे ।

श्रद्धा एवं उत्साह के साथ महिलाओं ने किया वट सावित्री व्रत पूजन

तेंदूखेड़ा। नगर एवं आसपास के क्षेत्र में महिलाओं द्वारा श्रद्धा एवं आस्था के साथ वट सावित्री व्रत का पूजन-अर्चन किया गया। प्रातः काल से ही महिलाओं में उत्साह का वातावरण देखा गया। महिलाओं ने विधि-विधान से व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु एवं सुख-समृद्धि की कामना की। नगर के विभिन्न मंदिरों एवं वट वृक्षों के समीप महिलाओं की भीड़ उमड़ी। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर वट वृक्ष की पूजा की तथा कथा श्रवण कर पूजा-अर्चना संपन्न की। पूजन के दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर कच्चा सूत बांधा और भगवान विष्णु एवं माता सावित्री का स्मरण किया। इस अवसर पर महिलाओं ने एक-दूसरे को व्रत की शुभकामनाएं दीं तथा परिवार की खुशहाली की कामना की। नगर के प्रमुख मंदिरों में धार्मिक वातावरण बना रहा। कई स्थानों पर सामूहिक रूप से वट सावित्री व्रत कथा का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। धार्मिक मान्यता के अनुसार वट सावित्री व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि माता सावित्री ने अपने तप एवं पतिव्रत धर्म के बल पर अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस प्राप्त किए थे। इसी परंपरा के तहत महिलाएं यह व्रत रखकर अखंड सौभाग्य एवं परिवार की मंगलकामना करती हैं। पूरे नगर में दिनभर धार्मिक आस्था एवं उत्साह का माहौल बना रहा।

निजी स्कूल में शिक्षिका की मारपीट से आहत बच्चे की इलाज के दौरान मौत

शव लेकर एसपी आफिस पहुंचे परिजन एसआईटी करेगी मामले की जांच

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बहुचर्चित छात्र मारपीट मामले में आज बड़ा और दुखद घटनाक्रम सामने आया है। बीते ढाई से तीन महीने से भोपाल एम्स अस्पताल में इलाजरत 9 वर्षीय छात्र की उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी अनुसार तेंदूखेड़ा नगर में स्थित आईईएस पब्लिक स्कूल के छात्र की भोपाल में इलाज के दौरान मौत हो गई। शनिवार की देर-रात 2 बजे परिजन बच्चे का शव लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे और स्कूल की शिक्षिका पर मारपीट का आरोप लगाया। उनका कहना है कि शिक्षिका की मारपीट से ही उनके बच्चे की जान गई है। परिजनों ने शिक्षिका के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बताया गया है कि बच्चा पिछले ढाई महीने से कोमा में था और भोपाल में उसका इलाज चल रहा था। मौत के बाद शव को जिला अस्पताल लाया गया।

सूचना मिलते ही दमोह कोतवाली टीआई मौके पर पहुंचे। एसपी के निर्देश पर बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन भी किया गया है तेंदूखेड़ा नगर के वार्ड क्रमांक 9 निवासी काव्य पिता दामोदर नामदेव के रूप में हुई है उसके मामा हेमंत नामदेव ने बताया कि काव्य तेंदूखेड़ा के आईईएस पब्लिक स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ता था। 19 फरवरी को शिक्षिका देवींद्री ठाकुर ने होमवर्क न करने पर काव्य को हाथ, पैर और सिर में स्केल से मारा था। इसके बाद उसे बुखार आने लगा और उसने खाना-पीना छोड़ दिया।

परिजन उसे तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर चिरायु अस्पताल रेफर किया गया। चिरायु अस्पताल की एमआरआई रिपोर्ट में बच्चे के सिर में मारपीट से सूजन की पुष्टि हुई थी। इसके बाद उसे जबलपुर के अपोलो अस्पताल ले जाया गया, जहां 10 दिन तक इलाज चला, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। अंततः उसे भोपाल एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां पर बीते दो महीने से काव्य नामदेव का इलाज चल रहा था और शुक्रवार की शाम करीब 6 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

तेंदूखेड़ा पहुंचकर दमोह-जबलपुर हाईवे जाम

दमोह में बच्चे के पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन शव लेकर तेंदूखेड़ा पहुंचे और दमोह जबलपुर हाईवे पर तेंदूखेड़ा नगर में पुलिस थाने जाने मुख्य मार्ग एंबुलेंस खड़ी कर प्रदर्शन शुरू कर दिया और दमोह-जबलपुर मार्ग पर जाम लगाने का प्रयास किया गया लेकिन पुलिस से ही अलर्ट थे जैसे ही शव तेंदूखेड़ा पहुंचा पुलिस भी मौके पहुंचा गई और प्रदर्शनकारी को समझाइश दी एवं निष्पक्ष जांच की बात कहीं है बता दें पुलिस प्रशासन सुबह से ही अलर्ट हो चुकी थी जिसके चलते दमोह डीएसपी डीएस ठाकुर सहित पांच थानों जबेरा, नोहटा, तेजगढ़, तारादेही इमलिया चौकी और तेंदूखेड़ा पुलिस तेंदूखेड़ा पहुंच चुकी थी मृतक के परिजनों द्वारा 15से20 मिनट तक जाम लगाकर प्रदर्शन किया जिससे वाहनों की लाइन लग गई साथ ही लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा परिजनों ने निष्पक्ष जांच करने के साथ ही दोषी शिक्षक शिक्षका एवं कुछ पुलिस कर्मचारियों के नाम लेकर जांच की मांग की है।

शिक्षिका पर हो ठोस कार्रवाई

शनिवार की देर-रात करीब 2 बजे परिजन भोपाल से शव लेकर दमोह एसपी आफिस पहुंचे वहां से शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजा गया। काव्य के मामा हेमंत नामदेव ने आरोप लगाते हुए बताया कि हम लोगों ने तेंदूखेड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी वह रिपोर्ट हमारे अनुसार नहीं लिखी गई। उसमें आरोपी के नाम काट दिए गए। हम लोगों ने कलेक्टर, एसपी और जिला शिक्षा अधिकारी को भी आवेदन दिया था, लेकिन इस पर कोई भी जांच की गई ना ही कार्रवाई हुई अब जब बच्चे की मौत हो चुकी है, हम चाहते हैं कि शिक्षिका पर ठोस कार्रवाई की जाए। दमोह जिला अस्पताल पहुंचे कोतवाली टीआई मनीष कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक बच्चे का शव लेकर परिजन एसपी ऑफिस पहुंचे हैं। उन्हें अस्पताल भेजा गया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पैनल के माध्यम से बच्चे का पीएम कराया गया है इसके अलावा एक एसआईटी गठित की गई है, जो पूरे मामले की जांच करेगी और वरिष्ठ अधिकारियों को रिपोर्ट सौंपेंगे।

मौसी बोली- टीचर ने कहा था मारेंगे नहीं तो बच्चे पढ़ेंगे कैसे

काव्य की मौसी प्रीति नामदेव ने बताया कि स्कूल टीचर देवींद्री ठाकुर ने बच्चे को पीटा था। तब हम स्कूल शिकायत के लिए पहुंचे थे। वहां टीचर बोलने लगी कि अगर बच्चे को मारेंगे नहीं तो वह पढ़ेगा कैसे इसलिए मारना पड़ता है इसके बाद काव्य ने खाना-पीना बंद कर दिया था वहीं शिक्षक दामोदर नामदेव के बड़े पुत्र की 17 अगस्त 2022 में नरगुवा जलाशय में डूबने से मौत हो चुकी है और अब दूसरा बेटा भी खो दिया जिससे परिवार में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

रक्तदान शिविर के पहले दिन 298 रक्तवीरों का योगदान

सागर। दोपहर मेट्रो

पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर की सफलता इतिहास बनाने की ओर अग्रसर है। 12 वर्षों से यहां जिस उत्साह से रक्तदान होता है उसे देखते हुए लगता है कि भूपेंद्र सिंह का जन्मदिन 20 मई को बुंदेलखंड का रक्तदान दिवस घोषित कर दिया जाना चाहिए। यह उद्गार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सागर विभाग संघ चालक, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.जी.एस चौबे ने यहां आयोजित चार दिवसीय रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। शिविर के पहले दिन 298 यूनिट रक्त संग्रहीत हुआ। डॉ. चौबे ने रक्तदान का इतिहास

बताते हुए कहा कि रक्तदान के क्षेत्र में भूपेंद्र सिंह का यह भागीरथी प्रयास पूरे देश में चर्चित हो रहा है। उन्होंने कहा कि 400 साल पहले पहली बार मनुष्य को भेड़ का रक्त चढ़ाया गया था। सन् 1900 में रक्त को चार ग्रुपों में विभाजित किया गया। 1945 में उपेंद्र जी ने विश्वयुद्ध के समय एक लाख यूनिट रक्त संग्रहीत करने का सोचा था। आज जब भूपेन्द्र सिंह रक्तदान के कीर्तिमान बना रहे हैं तो संभव है कि उनके रक्तदान शिविरों का आंकड़ा भी एक लाख को छू जाएगा। डा चौबे ने कहा कि विश्व के 60 देशों में पूरी जनसंख्या के लोग रक्तदान करते हैं। भारत में सिर्फ तीन प्रदेश त्रिपुरा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल ही ऐसे हैं जहां रक्तदान की स्थिति संतोषजनक है। निरंकारी संत श्री नारायण दास ने कहा कि मानव को हो मानव प्यारा, इक दूजे का बने सहारा ऐसा गुरुओं का संदेश है। रक्तदान शिविर मानवता की भलाई के लिए किये जाते हैं। आज जब मानव मानव के लहू का प्यासा हो रहा है ऐसे में गुरुओं की शिक्षा है कि रक्त नालियों में नहीं नाड़ियों में बहना चाहिए।

शराब दुकान का महिलाओं और बच्चों ने किया विरोध

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में नई शराब नीति के बाद प्रदेशभर में नई शराब दुकानों का विरोध तेज हो गया है। ताजा मामला जबलपुर के गोसलपुर क्षेत्र का है, जहां देर शाम गांव की महिलाएं और बच्चे अचानक एक शराब दुकान पर पहुंच गए। पहले कुछ देर तक वे दुकान के बाहर खड़े रहे, फिर बच्चों ने वहां डांस किया और इसके बाद लोगों ने दुकान पर धावा बोल दिया।घटना के बाद शराब ठेकेदार की शिकायत पर गोसलपुर थाना पुलिस ने अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

रक्सा कोलमी की जनसुनवाई में ग्रामीणों का फूटा आक्रोश

जमीन के बदले जमीन, मजदूर शोषण, पर्यावरण नियम उल्लंघन और मीडिया से दूरी को लेकर टोरेंट पावर कंपनी घिरी

कोतमा/रक्सा । दोपहर मेट्रो

न्यू जोन टोरेंट पावर कंपनी द्वारा आयोजित जनसुनवाई उस समय तनावपूर्ण माहौल में बदल गई जब बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों, किसानों और मजदूरों ने कंपनी एवं प्रशासन के खिलाफ खुलकर नाराजगी जाहिर की। जनसुनवाई में क्षेत्रवासियों ने अपनी समस्याओं और आशंकाओं को मजबूती से रखते हुए कहा कि यदि अभी से कंपनी की कार्यप्रणाली ऐसी रही तो आने वाले समय में ग्रामीणों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता है।

जनसुनवाई में किसानों का सबसे बड़ा मुद्दा जमीन अधिग्रहण को लेकर सामने आया। किसानों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी पुश्तैनी जमीन केवल मुआवजे के आधार पर नहीं ली जा सकती। किसानों ने मांग उठाई कि यदि परियोजना के लिए उनकी जमीन ली जाती है तो उन्हें जमीन के बदले जमीन दी जाए, ताकि उनका भविष्य और परिवार सुरक्षित रह सके। ग्रामीणों का कहना था कि खेती ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है और केवल आर्थिक मुआवजा देकर उनकी पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता। कई किसानों ने आरोप लगाया कि कंपनी द्वारा

प्रारंभिक स्तर पर ही ग्रामीणों को पूरी जानकारी दिए बिना प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। लोगों का कहना था कि परियोजना के फायदे तो बताए जा रहे हैं, लेकिन उससे होने वाले पर्यावरणीय और सामाजिक नुकसान पर खुलकर चर्चा नहीं की जा रही। जनसुनवाई में मजदूरों का दर्द भी खुलकर सामने आया। स्थानीय मजदूरों ने आरोप लगाया कि उनसे मात्र 300 से 350 रुपए की दिहाड़ी में लगातार 8 घंटे तक कठिन श्रम कराया जा रहा है। मजदूरों ने कहा कि वर्तमान महंगाई के दौर में इतनी कम मजदूरी में परिवार का पालन-पोषण करना बेहद कठिन हो गया है। मजदूरों ने यह भी आरोप लगाया कि श्रम कानूनों के अनुरूप सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं।

ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण नियमों के उल्लंघन का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उनका कहना था कि क्षेत्र में कंपनी की गतिविधियों से जल स्रोतों, जंगल, कृषि भूमि और आसपास के वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और संबंधित नियमों की कई धाराओं एवं उपधाराओं का पालन सही तरीके से नहीं किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि पूर्व में प्रकाशित खबरों एवं शिकायतों का गंभीरता से अवलोकन कर निष्पक्ष जांच कराई जाए। जनसुनवाई के दौरान पत्रकारों से दूरी बनाए जाने को लेकर भी लोगों में भारी नाराजगी दिखाई दी। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि यदि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और नियमों के तहत हो रही है, तो मीडिया को स्वतंत्र रूप से कवरेज करने से क्यों रोका जा रहा है। लोगों का कहना था कि जनसुनवाई जनता की भागीदारी और पारदर्शिता की प्रक्रिया होती है, लेकिन यहां पत्रकारों को सीमित रखने का प्रयास कई संदेह पैदा करता है।

जिला शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस कमेटी ने संयुक्त रूप से निकाला मशाल जुलूस

नीट पेपर लीक प्रकरण से अभिभावकों की उम्मीद पर कुठाराघात: भूपेंद्रसिंह

सागर। दोपहर मेट्रो

नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण को लेकर जिला शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में कोतवाली थाने के समीप चकरा घाट से कांग्रेस ने मशाल जुलूस निकाला। तीन बत्ती होते हुए कटरा जामा मस्जिद पर समाप्त हुआ। जिला शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश जाटव ने कहा कि देश की प्रतिष्ठित नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण बहुत ही गंभीर मामला है इस घटना से विद्यार्थियों का भविष्य अंधकारमय बनाने की साजिश की बू आ रही है। लाखों विद्यार्थियों के जहां सपने टूटे वहीं उनके अभिभावकों की मेहनत पर पानी भर गया। जिनके बच्चे रात-रात भर जाग कर सुनहरे भविष्य के लिए पढ़ाई कर रहे थे। जाटव ने दोषियों पर कठोर से कठोर कार्रवाई करने की मांग की। जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के

अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मोहासा ने कहा कि मां-बाप कर्ज करके अपने बच्चों की सुनहरे भविष्य के लिए चौबीसों घंटे मेहनत कर अपने बच्चों को रात-रात भर जगा-जगा कर पढ़ाई करवा रहे थे लेकिन नीट पेपर लीक प्रकरण से उन अभिभावकों की उम्मीद पर कुठाराघात हो गया। मोहासा ने शिक्षा के दलालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यह संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह है। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुनील जैन, रेखा चौधरी, जगदीश यादव, पूर्व मंत्री सुरेंद्र चौधरी, मुकुल पुरोहित, अमित राम जी दुबे रामकुमार पचौरी, आशीष ज्योतिषी,पुरुषोत्तम मुन्ना चौबे शैलेंद्र तोमर, रमाकांत यादव, सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे, संदीप सबलोक, अवधेश तोमर, कमलेश तिवारी ,हेमराज रजक सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर बैठक, युवा संवाद, जनप्रतिनिधि हुए शामिल

राष्ट्र निर्माण और संगठन सशक्तिकरण में युवाओं की भूमिका सर्वोपरि-श्याम टेलर

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के नरसिंहपुर जिले में प्रथम आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष पं रामस्नेही पाठक भाजयुमो प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष प्रियांक जैन के नेतृत्व में उनका अभूतपूर्व और भव्य स्वागत करते हुए उनकी अगवानी की। सर्वप्रथम युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने जिले में प्रवेश करते हुए मां नर्मदा जी के झिकोली घाट में पूजन अर्चन कर जिले मे अपने प्रवास कार्यक्रम की शुरुआत की तत्पश्चात आयोजित प्रवास कार्यक्रम मे साईखेड़ा से होते हुए गाडरवारा पहुंचे जहां पर वे युवा जनप्रतिनिधि संवाद कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों से वार्तालाप कर विचारों का आदान-प्रदान किया तदुपरांत गाडरवारा, कौड़ियां,करेली होते हुए नरसिंहपुर पहुंचे रास्ते भर मे मोर्चा पदाधिकारियो ने जगह जगह भव्य स्वागत अभिनन्दन किया गया सभी मोर्चा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी ने मोदी जी के ऊर्जा बचत के आह्वान का पालन किया।

प्रवास के अंत मे जिला भाजपा कार्यालय पहुंचकर भाजपा के पित्र पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने सोशल मीडिया

इनफ्लुएंसर के साथ संवाद एवं युवा मोर्चा जिला बैठक में शिरकत की। इस अवसर पर जिला कार्यालय में कार्यक्रम में मंचस्थ भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर, भाजपा जिला अध्यक्ष पं रामस्नेही पाठक, पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल, तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश, पूर्व जिलाध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, भाजयुमो प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रियांक जैन,जिला महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा,राहुल कौरव,राजाराम कस्तवार, डॉ. जय रोहाणी की गरिमामयी उपस्थिति रही। भाजयुमो प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं युवा मोर्च जिला अध्यक्ष प्रियांक जैन ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि हमारे संगठन के शीर्ष नेतृत्व हम युवाओं के बीच उपस्थित हैं। मैं जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष के नाते, अपनी पूरी जिला टीम की ओर से आपका इस पावन धरा पर हृदय की गहराइयों से कोटि-कोटि स्वागत, वंदन और अभिनंदन करता हूं। विगत दिनों में संगठन और समाज हित में विभिन्न महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, आपके नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता आने वाले समय में नए आयाम स्थापित करेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा मोर्चा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने कहा कि युवा मोर्चा संगठन की सबसे मजबूत रीढ़ है। राष्ट्र निर्माण और संगठन सशक्तिकरण में युवाओं की भूमिका सर्वोपरि है। उन्होंने युवाओं में ऊर्जा भरते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश संगठन के नेतृत्व में युवा मोर्चा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का काम पूरी निष्ठा से करेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को रीढ़ की हड्डी बताते हुए आह्वान किया कि प्रत्येक कार्यकर्ता 'डिजिटल और मैदानी' दोनों स्तरों पर सक्रिय रहे। युवाओं को नशे से दूर रखने, रचनात्मक कार्यों से जोड़ने और सरकार की युवा केंद्रित नीतियों का लाभ दिलाने के लिए भाजयुमो हर स्तर पर अभियान चलाएगा। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में वैश्विक ऊर्जा संकट और युद्ध जैसे हालातों को देखते हुए ईंधन की बचत केवल एक आवश्यकता नहीं, बल्कि हर नागरिक की राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का संचालन भाजयुमो जिला मीडिया प्रभारी प्रखर दुबे एवं कार्यक्रम का आभार भाजयुमो जिला महामंत्री अभिषेक रघुवंशी ने किया इसके बाद जिलेभर से आए युवाओं ने प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का फूल माला के साथ स्वागत किया इस अवसर पर भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, युवा मोर्चा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं सहित वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों की।

जनसुनवाई और तहसील में मामला लंबित, फिर भी गरीबों के घरों पर चला बुलडोजर

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

गरीब परिवारों के घरों को तोड़े जाने की कार्यवाही को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का आरोप है कि नगरी प्रशासन ने एकपक्षीय कार्रवाई करते हुए उन परिवारों के मकानों को तोड़ दिया, जिनके मामले पहले से जनसुनवाई और तहसील स्तर पर लंबित थे। प्रभावित परिवारों का कहना है कि उन्हें पर्याप्त समय दिए बिना ही प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई कर दी। जानकारी के अनुसार जिन लोगों के मकान तोड़े गए, उनके द्वारा पूर्व में जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। इतना ही नहीं, तहसील स्तर पर भी प्रकरण विचाराधीन बताया जा रहा था। इसके बावजूद नगरी निकाय द्वारा जल्दबाजी में की गई कार्रवाई अब कई सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मामला प्रशासनिक जांच और राजस्व प्रक्रिया में लंबित था, तो संबंधित परिवारों को अपना पक्ष रखने और दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाना चाहिए था। सूत्रों के अनुसार संबंधित प्रकरण में पटवारी प्रतिवेदन में यह उल्लेख किया गया था कि प्रभावित परिवार पिछले 15 से 20 वर्षों से उक्त भूमि पर काबिज हैं। साथ ही एक दस्तावेज ऐसा भी सामने आया है जिसमें तत्कालीन सीएमओ द्वारा नगर निकाय का शुल्क जमा करने के निर्देश दिए गए थे और उस पर सीएमओ के हस्ताक्षर भी बताए जा रहे हैं।

आईपीएल 2026: कोलकाता ने प्लेऑफ के लिए बढ़ाए मजबूत कदम

टूट गया गुजरात टाइटंस की जीत का सिलसिला; अंक तालिका में भी बदलाव

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने गुजरात टाइटंस को 29 रनों से हरा दिया। शनिवार को ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने फिन एलन, अंगकृष रघुवंसी और कैमरन ग्रीन की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में दो विकेट पर 247 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम चार विकेट पर 218 रन ही बना सकी। इस दौरान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन ने अर्धशतक जड़े। वहीं, केकेआर के लिए सुनील नरेन ने दो विकेट लिए जबकि सौरभ और ग्रीन को एक-एक मिला। इसी के साथ गुजरात की लगातार पांच मैचों में जीत का सिलसिला भी टूट गया। फिलहाल टीम तालिका में 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, केकेआर एक स्थान की छलांग लगाकर सातवें पायदान पर पहुंच गई है। इस जीत के साथ केकेआर ने प्लेऑफ की तरफ मजबूती से कदम बढ़ाए हैं। अब टीम की नजर अपने अगले दोनों मुकाबले जीतने पर होगी।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात को साईं सुदर्शन और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के बीच 3 ओवरों में 42 रन की साझेदारी हो चुकी थी। तीसरे ओवर की अंतिम गेंद पर कार्तिक त्यागी की गेंद सुदर्शन की बाएं कोहनी पर लगी। उस समय तक सुदर्शन 13 गेंदों में 23 रन बना चुके थे। सुदर्शन को रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटना पड़ा। सुदर्शन के स्थान पर निशांत संधु (1) मैदान पर आए, लेकिन एक ओवर बाद उनका विकेट भी गिर गया। यहां से कप्तान शुभमन गिल ने मोर्चा संभाला, जिन्होंने जोस बटलर के साथ 73 गेंदों में 128 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। गिल 49 गेंदों में सात छक्कों और पांच चौकों के साथ 85 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 17वें ओवर के बीच सुदर्शन फिर से मैदान पर लौटे।

आईपीएल 2026: अंक तालिका का हाल

टीम	मैच	जीते	हारे	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	12	8	4	0	16	+1.053
गुजरात टाइटंस	13	8	5	0	16	+0.400
सनराइजर्स हैदराबाद	12	7	5	0	14	+0.331
पंजाब किंग्स	12	6	5	1	13	+0.355
राजस्थान रॉयल्स	11	6	5	0	12	+0.082
चेन्नई सुपर किंग्स	12	6	6	0	12	+0.027
कोलकाता नाइट राइडर्स	12	5	6	1	11	-0.038
दिल्ली कैपिटल्स	12	5	7	0	10	-0.993
मुंबई इंडियंस (बाहर)	12	4	8	0	8	-0.504
लखनऊ सुपर जाएंट्स (बाहर)	12	4	8	0	8	-0.701

केकेआर की पारी

इससे पहले, केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने फिन एलन के साथ पहले विकेट के लिए 4.3 ओवरों में 44 रन की साझेदारी की। रहाणे 14 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद एलन ने अंगकृष रघुवंशी के साथ दूसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 95 रन जोड़े। फिन एलन 35 गेंदों में 10 छक्कों और चार चौकों के साथ 93 रन की पारी खेलकर आउट हुए। यहां से रघुवंशी ने कैमरन ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 गेंदों में 108 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 247/2 के स्कोर तक पहुंचाया। रघुवंशी 44 गेंदों में सात छक्कों और चार चौकों के साथ 82 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि कैमरून ग्रीन ने 28 गेंदों में चार छक्कों और तीन चौकों के साथ 52 रन की नाबाद पारी खेली।

माही लामा ने बढ़ाया मध्यप्रदेश का मान

विश्व कप में दिखेगा भारत की बेटी का मुक्केबाजी दम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य बॉक्सिंग अकादमी की उभरती मुक्केबाज माही लामा ने अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और दमदार खेल प्रदर्शन के बल पर भारतीय टीम में जगह बनाकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। एनआईएस पटियाला में 13 से 15 मई 2026 तक आयोजित असेसमेंट रैंकिंग ट्रायल्स में माही ने 60 किलोग्राम भार वर्ग में लगातार दो प्रभावशाली जीत दर्ज कर चयनकर्ताओं का दिल जीत लिया। अब वह 15 जून से 20 जून 2026 तक चीन के गुइयांग शहर में आयोजित होने वाले विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। माही लामा ने ट्रायल्स के पहले मुकाबले में हरियाणा की विंका को 4:1 से हराकर शानदार शुरुआत की। इसके बाद दूसरे मुकाबले में उन्होंने महाराष्ट्र की दिशा पाटिल को 5-0 से एकतरफा शिकस्त देकर अपनी श्रेष्ठता साबित कर दी। दोनों मुकाबलों में माही ने जिस संयम, आत्मविश्वास और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया, उसने चयनकर्ताओं को बेहद प्रभावित किया।

उनकी फुर्ती, पंचिंग टाइमिंग और रिंग में रणनीतिक खेल ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश के लिए मजबूत चुनौती पेश करने की क्षमता रखती हैं। माही लामा की यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो कोई भी सपना दूर नहीं होता। छोटे शहरों और अकादमियों से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचना आज के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है।

भारत की उम्मीदों का चेहरा बनेंगी माही

अब सबकी निगाहें चीन के गुइयांग में होने वाले विश्व कप पर टिकी हैं, जहां माही भारतीय टीम की ओर से चुनौती पेश करेंगी। यह प्रतियोगिता उनके लिए अपने कौशल को वैश्विक स्तर पर साबित करने का बड़ा अवसर होगी। खेल प्रेमियों और प्रदेशवासियों को उम्मीद है कि माही अपने शानदार प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित करेंगी।

माही की सफलता के पीछे उनकी कठोर मेहनत, निरंतर अभ्यास और अकादमी में मिला उच्च स्तरीय प्रशिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य से ध्यान नहीं हटाया और लगातार खुद को बेहतर बनाने का प्रयास किया। यही समर्पण आज उन्हें विश्व मंच तक लेकर पहुंचा है।

अनिमेष कुजूर और मोहम्मद अफसल ने सऊदी एथलेटिक्स जीपी 2026 में दर्ज की शानदार जीत

रियाद, एजेंसी

अनिमेष कुजूर और मोहम्मद अफसल ने रियाद में सऊदी एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2026 में अपने-अपने इवेंट्स में जीत हासिल करके इंटरनेशनल सर्किट पर अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। प्रिंसेस नौराह बिंत अब्दुलरहमान यूनिवर्सिटी स्टेडियम में नेशनल रिकॉर्ड होल्डर अफसल ने पुरुषों की 800 मीटर रेस 1¬48.24 समय में पूरा करके शानदार फिनिश किया। भारतीय धावक ने साउथ अफ्रीका के क्रिस्टोफर स्वार्ट को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1¬48.50 में रेस पूरी की। वर्नर गौव्स 1¬48.75 के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

पोलौंड में 1¬44.93 समय के साथ भारतीय नेशनल रिकॉर्ड बनाने वाले अफसल का इंटरनेशल स्तर पर एक और शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इससे पहले, वह एशियन गेम्स में 1¬48.43 के समय के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम कर चुके हैं।सऊदी एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर में कई देशों के एथलीट शामिल हुए हैं।

कुजूर ने स्प्रिंटिंग टैलेंट के तौर पर बनाई अपनी पहचान

कुजूर ने देश के सबसे तेज स्प्रिंटिंग टैलेंट के तौर पर अपनी पहचान भी बनाई और पुरुषों की 200 मीटर रेस का टाइटल 20.77 सेकंड में जीता। ग्रेट ब्रिटेन के डेविड हैरिसन (20.87 सेकंड) और टोबी हैरिस (21.01 सेंकड) को 22 साल के कुजूर ने हराया। इससे पहले, कुजूर पुरुषों की 100 मीटर रेस में टॉप के बहुत करीब थे, उन्होंने 10.44 सेकंड का समय निकाला और हैरिसन के बाद दूसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने 10.42 सेकंड में रेस जीती थी। पूर्व भारतीय नेशनल रिकॉर्ड होल्डर गुरिंदरवीर सिंह ने भी 10.44 सेकंड का समय निकाला, लेकिन फोटो फिनिश के बाद उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

गजब का आईपीएल....अजब से गणित

2026 आईपीएल अब अपने आखिरी पड़ाव पर आ गया है।लीग चरण में होने वाले 70 में से 60 मुकाबले खेले जा चुके हैं।टूर्नामेंट में खेल रही 10 टीमों ने इस दौर केअपने 14-14 मुकाबलों में से लगभग 12 मैच खेल लिए हैं।हालांकि गुजरात टीम ने 13 मैच खेल लिये है,जबकि राजस्थान के खाते में 11 मैच इस टेबल में दर्ज हैं।शनिवार को कोलकाता की गुजरात पर विस्फोटक जीत ने पॉइंट्स टेबल के गणित एक बार फिर दिलचस्प बना दिये है।हालांकि अंतरराष्ट्रीय सितारों से सजी 5 बार की चैंपियन मुंबई और लखनऊ टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी हैं,लेकिन पिछले कुछ मुकाबलों में इन टीमों ने जीत की पटरी पर चलकर उन टीमों को आखिरी राउंड तक उलझा दिया है जो रेस में शुरू से बहुत आगे थीं।मौजूदा आईपीएल में जिस अंदाज में पंजाब,राजस्थान,बेंगलुरु और हैदराबाद ने धमाकेदार आगाज किया था उसके बाद ऐसा लग रहा था कि इस बार यह चार टीमें ही कमाल करने वाली हैं,लेकिन फिर गुजरात,चेन्नई और कोलकाता ने बाजी पलटने की अपनी काबलियत से हर बार की तरह एक बार फिर आईपीएल को लीग राउंड में आखिरी दौर के दिलचस्प गणितीय उलझन में फंसा दिया है।अब अगर इस उलझन भरे इस गणित के मद्देनजर आज होने वाले डबल हेडर मुकाबले की बात करें तो फिर ऐसी उम्मीद है कि धर्मशाला में होने वाली पहली भिड़ंत के बाद शायद कोई एक टीम प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर सकती है,लेकिन इसके लिए बेंगलुरु को यह मुकाबला जीतना होगा।वहीं अगर पंजाब ने बाजी जीत ली तो फिर समीकरण फिर पॉइंट गेम में फंस जायेंगे।ऐसा ही कुछ नजारा आज के दूसरे मैच का भी है।दिल्ली बनाम राजस्थान होने वाला यह मुकाबला दिल्ली के लिए करो या मरो का है।मतलब अगर यह भिड़ंत दिल्ली ने जीत ली तो फिर 62 मैचों के बाद भी 8 टीमें मौजूदा आईपीएल की प्लेऑफ की रेस में बरकरार रह सकती हैं।भले ही इस तरह के गणित थोड़े अटपटे नजर आ रहे हैं,लेकिन सच तो यह है कि जिस तरह से मैचों में बाजी उलट पलट हो रही है उसके बाद कोई भी उलटफेर संभव है।मतलब एकदम साफ है कि आईपीएल भले ही 2 माह तक चलने वाला खिलाड़ियों के नजरिये से थकाऊ टूर्नामेंट कहा व समझा जा सकता है।फिर भी जब 90 फीसदी मुकाबलों के बाद 10 में से 8 टीमें आईपीएल की हर्डल रेस में बनी रहेंगी तो यह अजब भी लगेगा और गजब भी कहा जा सकता है।अब देखना यह रोचक रहेगा कि आखिरकार कितने और मुकाबले और होने के बाद प्लेऑफ व रेस से बाहर होने वाली टीमों की तस्वीर साफ होती है। खैर जो भी होगा वह निश्चततौर पर रोमांचक ही होगा लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि आईपीएल की खूबी और खासियत शायद यही है कि इसमें कोई भी गणित के पूर्वानुमान लगाना किसी के भी बस की बात नहीं है।वैसे भी अगर हम पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन पर गौर करें तो भी यही बात निकल कर आती है कि खिलाड़ी चाहे युवा हो या फिर अंतरराष्ट्रीय ख्याति का ही क्यों न रहा हो,निरंतरता के नाम पर बस ऑरेंज ओर पर्पल केप के हकदार ही कुछ हद तक सफल कहे जा सकते हैं।कई युवा खिलाड़ियों ने भले ही मैदान पर कुछ विस्फोटक खेल दिखा कर वाहवाही लूटी हो,लेकिन उनका सफर सिर्फ आईपीएल तक सीमित रहता है या फिर उनके अंतरराष्ट्रीय दरवाजे भी खुलते है,देखना यह भी दिलचस्प रहेगा।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

आईपीएल के बीच दूसरी शादी कर रहे हार्दिक पंड्या

माहिका संग 22 को लेंगे सात फेरे

क्या पंड्या परिवार में एक बार फिर से शहनाई बजने वाली हैं? ये हम नहीं कह रहे, बल्कि कई रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि आईपीएल 2026 के बीच मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा से शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल खबरों के मुताबिक, हार्दिक और माहिका इसी महीने शादी करके हमेशा के लिए हमसफर बनने वाले हैं। कपल की शादी की रिपोर्ट्स ने हर को किसी को हैरान कर दिया है।

तेजी से वायरल हो रहे सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा किया जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इसी महीने 22 मई को उदयपुर में माहिका शर्मा संग शादी करने वाले हैं। दोनों सात फेरे लेकर हमेशा के लिए दो से एक हो जाएंगे। बताया जा रहा है कि शादी इंटीमेट तरीके से होगी, जिसमें सिर्फ दोनों की फैमिली, करीबी रिश्तेदार और दोस्त ही शामिल होंगे। हार्दिक और माहिका की शादी की खबर सामने आते ही क्रिकेट फैंस के बीच खलबली मच गई है। लोगों के तरह-तरह के रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं। हालांकि, हम इस खबर की पुष्टि नहीं करते हैं, क्योंकि हार्दिक पंड्या या माहिका ने अब तक शादी की वायरल खबरों पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। दोनों की टीम की तरफ से भी शादी को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

नताशा स्टेनकोविक संग हो चुका तलाक

वहीं, हार्दिक की बात करें तो उनकी लव लाइफ लगातार सुर्खियों में बनी रहती है. हार्दिक ने जब से लेडी लव माहिका संग अपने रिश्ते को कंफर्म किया है, तब से वो खुलकर माहिका पर प्यार लुटाते हैं. ढ्ढक्कक्रके बीच भी दोनों की केमिस्ट्री लगातार चर्चा में बनी हुई है. माहिका हर मैच में हार्दिक को सपोर्ट करने पहुंचती हैं. हार्दिक की बात करें तो उनकी पहली शादी साल 2020 में एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक संग हुई थी. शादी के बाद कपल ने एक बेटे का वेलकम किया. दोनों अपने बेटे के काफी क्लोज हैं. हालांकि, कुछ साल बाद 2024 में दोनों तलाक

योग से जवान दिखने का राज आया सामने! 76 की उम्र में भी हेमा की फिटनेस से उत्सुकता

विश्व योग दिवस से पहले आयुष मंत्रालय ने एक ऐसा वीडियो जारी किया है, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। इस वीडियो में अभिनेत्री और मथुरा सांसद हेमा मालिनी अपनी फिटनेस और ऊर्जा का बड़ा राज खोलती नजर आ रही हैं। उन्होंने साफ कहा कि उनकी सेहत, सक्रियता और मानसिक शांति के पीछे सबसे बड़ा कारण नियमित योगाभ्यास है। मंत्रालय ने वीडियो साझा करते हुए लिखा कि योग केवल शरीर को फिट रखने का माध्यम नहीं, बल्कि विचार, कर्म और प्रकृति के बीच संतुलन बनाने की प्रक्रिया है। वीडियो सामने आते ही लोगों के बीच योग को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है।

वीडियो में हेमा मालिनी कहती हैं कि वह रोजाना योग करती हैं और इसे अपनी दिनचर्या का सबसे जरूरी हिस्सा मानती हैं। उन्होंने बताया कि योग ने उनके जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने कहा, ÷योग ने मेरे जीवन को संवारा और समृद्ध बनाया है। अगर जीवन को पूरी क्षमता के साथ जीना है तो योग को अपनाना बेहद जरूरी है।÷ इसके साथ ही उन्होंने लोगों को सलाह दी कि योग हमेशा सही मार्गदर्शन और विशेषज्ञ की सलाह के साथ ही करना चाहिए, ताकि शरीर को पूरा लाभ मिल सके और किसी तरह की परेशानी न हो।

21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर आयुष मंत्रालय लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है। मंत्रालय देशभर में योग को घर-घर पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले भी अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर समेत कई बड़ी हस्तियों के वीडियो साझा किए जा चुके हैं, जिनमें योग के फायदे बताए गए हैं।

मेट्रो बाजार

पाकिस्तान के लोगों पर और बढ़ेगा टैक्स का बोझ, आईएमएफ ने 1.73 लाख करोड़ तय किया लेवी टारगेट

नई दिल्ली । पाकिस्तान के आम नागरिकों पर टैक्स का बोझ और अधिक बढ़ने जा रहा है। आईएमएफ ने अगले वित्तीय वर्ष के लिए पेट्रोलियम लेवी का टारगेट 1 लाख 73 हजार करोड़ रुपए तय किया है। यह मौजूदा बजट लक्ष्य से 25 हजार 900 करोड़ रुपए अधिक है। इसके अलावा, आईएमएफ ने फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (एफबीआर) को अपना रेवेन्यू टारगेट हासिल करने के लिए शर्तें और कड़ी कर दी हैं। पाकिस्तान की जनता पहले ही महंगाई की मार झेल रही है। ऐसे में आईएमएफ के इस फैसले से आम लोगों की परेशानियां और बढ़ने की आशंका है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने फंड की स्टाफ-लेवल रिपोर्ट के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र और राज्य सरकारें 86 हजार करोड़ रुपए के बराबर अतिरिक्त रेवेन्यू जुटाने की कोशिश करेंगी। इसके लिए केंद्र सरकार आधे कदम उठाएगी, जिन्हें नए टैक्स उपायों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन में बांटा जाएगा। वहीं, राज्य सरकारें सेवाओं पर सेल्स टैक्स बढ़ाएंगी और 43 हजार करोड़ रुपए का अपना हिस्सा जुटाने के लिए कृषि आयकर (एग्रीकल्चर इनकम टैक्स) वसूलेंगी। केंद्रीय बजट का आकार 17 लाख 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रहने का अनुमान है। यह चालू वित्तीय वर्ष के संशोधित बजट से लगभग 9 फीसदी अधिक है। डिफेंस बजट 2 लाख 66 हजार 500 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो मौजूदा बजट से 10 हजार 100 करोड़ रुपए ज्यादा है।

पेट्रोल-डीजल महंगा होते ही गिग वर्कर्स का बड़ा विरोध, 20 रुपये प्रति किलोमीटर की मांग

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के खिलाफ अब देशभर के गिग और ऐप आधारित वर्कर्स में नाराजगी बढ़ती जा रही है। गिग और प्लेटफॉर्म सेवा श्रमिक संघ (जीआईपीएसडब्ल्यूयू) ने सरकार और डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियों के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन शुरू करने का ऐलान किया है।

यूनियन ने मांग की है कि ऐप आधारित डिलीवरी और ट्रांसपोर्ट वर्कर्स को कम से कम 20 रुपये प्रति किलोमीटर का भुगतान किया जाए। साथ ही शनिवार को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक देशभर में ऐप सेवाओं के अस्थायी बंद का आह्वान किया गया है। यूनियन का कहना है कि 15 मई को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी ने लाखों गिग वर्कर्स की आर्थिक मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। जीआईपीएसडब्ल्यूयू के मुताबिक यह लगभग चार साल बाद ईंधन कीमतों में पहली बड़ी राष्ट्रीय स्तर की बढ़ोतरी है। यूनियन ने कहा कि देश में करीब 1.2 करोड़ गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स सीधे तौर पर इस फैसले से प्रभावित होंगे। इनमें फूड डिलीवरी, ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक्स और अन्य ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े लोग शामिल हैं। जीआईपीएसडब्ल्यूयू ने ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को जिम्मेदार बताया है। यूनियन की अध्यक्ष सीमा सिंह ने कहा कि पेट्रोल-डीजल महंगा होने के साथ-साथ एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में पहले हुई बढ़ोतरी ने भी कामगारों पर भारी आर्थिक दबाव डाला है।

इमिग्रेशन के खिलाफ लंदन की सड़कों पर उतरे 80 हजार लोग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में दो अलग-अलग बड़ी रैलियां हुईं। एक रैली इमिग्रेशन के खिलाफ थी, जबकि दूसरी रैली फलस्तीन के समर्थन में हुई। पुलिस का अनुमान है कि इन रैलियों में 80 हजार से ज्यादा लोग शामिल थे। पुलिस ने राजधानी के बाहर से बुलाए गए अतिरिक्त बलों सहित 4,000 अधिकारियों को तैनात किया। पुलिस ने रैलियों में 80 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने का अनुमान लगाया। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने यूनाइट द किंगडम मार्च के आयोजकों पर स्पष्ट रूप से नफरत और विभाजन फैलाने का आरोप लगाया। यह मार्च इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता स्टीफन यैक्सली-लेनन, जिन्हें टॉमी रॉबिन्सन के नाम से जाना जाता है द्वारा आयोजित किया गया था।

पहली बार फेशियल रिकग्निशन कैमरों का इस्तेमाल

टकराव की आशंका को देखते हुए राजधानी में 4,000 से अधिक पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया. वे दोनों रैलियों को आमने-सामने आने से रोकने के लिए तैनात किए गए. अधिकारी ड्रोन तो पुलिस के जवान घोड़ों और कुत्तों के जरिए चप्पे-चप्पे पर नजर रख रहे हैं. बख्तरबंद वाहन भी तैयार रखे गए. प्रदर्शनों से पहले, मेट्रोपॉलिटन पुलिस के उप सहायक आयुक्त जेम्स हरमन ने कहा कि इस पुलिसिंग अभियान पर पुलिस बल को 4.5 मिलियन पाउंड का खर्च आएगा. मेट पुलिस ने कहा कि जोखिमों को देखते हुए उन्हें 'उच्चतम स्तर की नियंत्रण व्यवस्था' लागू करनी पड़ी, जिसमें विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिसिंग अभियान के तहत पहली बार लाइव फेशियल रिकग्निशन कैमरों का उपयोग भी शामिल है. मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने इसे पिछले कई वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण पुलिस अभियानों में से एक बताया है.

न्यूज विंडो

खतरनाक वायरस फैलने पर अफ्रीका में इमरजेंसी, WHO का अलर्ट

इटुरी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कांगो और युगांडा में फैल रहे इबोला वायरस को अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया है। यह नया संक्रमण Bundibugyo नाम के इबोला वायरस स्ट्रेन से जुड़ा है। WHO के अनुसार अब तक 80 संदिग्ध लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा कई नए मामले भी सामने आए हैं। संक्रमण सबसे ज्यादा डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के Ituri इलाके में फैला हुआ है। वहीं युगांडा में फैले इस संक्रमण से पड़ोसी देशों में भी फैलाव का खतरा बढ़ गया है। की राजधानी कंपाला में भी कुछ संक्रमित मरीज मिले हैं।

WHO ने कहा कि यह वायरस दूसरे देशों में भी फैल सकता है। इसलिए सीमा इलाकों में जांच बढ़ाने और संक्रमित लोगों को तुरंत अलग रखने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि WHO ने देशों से यह भी कहा है कि वे अपनी सीमाएं बंद न करें, क्योंकि इससे लोग चोरी-छिपे यात्रा कर सकते हैं और संक्रमण को रोकना और मुश्किल हो जाएगा। इबोला एक बेहद खतरनाक बीमारी है। इसमें तेज बुखार, उल्टी, दस्त और शरीर से खून बहने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

आस्था का महासंगम: बिहार सीएम ने किया मेले का शुभारंभ

राजगीर (नालंदा)। नालंदा जिले के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक नगरी राजगीर में आज आस्था और श्रद्धा के महापर्व मलमास मेला का भव्य शुभारंभ हुआ।ब्रह्मकुंड परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और ध्वजारोहण के साथ मेले का उद्घाटन मुख?यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया। उद्घाटन समारोह में कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद सम्राट चौधरी ने ब्रह्मकुंड एवं मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डिप्टी सीएम विजय चौधरी, मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेंद्र कुमार भी मौजूद रहे। निरीक्षण के उपरांत मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम और अन्य वीआईपी वापस रवाना हो गए। करीब एक महीने तक चलने वाला यह धार्मिक मेला 15 जून तक आयोजित होगा। इस दौरान राजगीर के पवित्र गर्म जल के 22 कुंड और 52 धाराओं में श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे। मेले में तीन शाही स्नान का भी विशेष महत्व बताया गया है। मलमास मेले में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

अवैध चैंबरों पर चला बुलडोजर वकीलों ने किया हंगामा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में वकीलों के अवैध चैंबरों पर आज बुलडोजर चला। हाईकोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई हुई। नगर निगम, पुलिस व जिला प्रशासन की टीमों ने सुबह से ही इन्हें तोड़ना शुरू कर दिया। इस दौरान वकीलों ने जमकर नारेबाजी की। पुलिस-प्रशासन से उनकी बहस भी हुई। इस दौरान हंगामा कर रहे वकीलों पर पुलिस ने लाठियां भी फटकारीं। वहीं दूसरी तरफ एक वकील ने खुद को चैंबर में बंद कर लिया। उसने कहा कि हमे कोई नोटिस नहीं मिली है।सिर्फ चैंबर तोड़े जा रहे हैं। उसने चैंबर के अंदर फांसी लगाने की कोशिश की। बताते चलें कि हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य भवन व कचहरी के आसपास बने वकीलों के 240 अवैध चैंबर तोड़ने के लिए कहा था। इसके बाद नगर निगम ने नोटिस चस्पा किए थे। वकीलों को खुद अवैध चैंबर हटाने के लिए वक्त भी दिया था। इसकी मियाद पूरी होने के बावजूद इन चैंबरों को नहीं हटाया गया। इस पर बुलडोजर चलाया गया। वकीलों के हंगामे के आसार के मद्देनजर पीएसी बल भी तैनात की गई है। इससे पहले नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि मुख्य रूप से स्वास्थ्य भवन चौराहे से चकबस्त चौराहे की सड़क पर, सदर तहसील व निबंधन कार्यालय, रेजिडेंसी से सीएमओ, स्वास्थ्य भवन से जिला सत्र न्यायालय की ओर सड़क पर अवैध चैंबर बनाए गए हैं। इन पर कार्रवाई होगी।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की दो टूक

होर्मुज में जहाजों पर हमले और आवाजाही बाधित करना अस्वीकार्य

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ऊर्जा और उर्वरक संकट पर भारत का दृष्टिकोण रखा। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सुरक्षा और आवाजाही की स्वतंत्रता में बाधाओं पर चिंता जताई। हरीश ने वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने और नागरिक चालक दल को खतरे में डालने को अस्वीकार्य बताया। साथ ही भारत ने जोर देकर कहा कि सुरक्षित समुद्री मार्गों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह पालन होना चाहिए।

यूएन में ऊर्जा और आपूर्ति की गई बैठक

बता दें कि, पी. हरीश ने संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद की विशेष बैठक में भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य ऊर्जा और आपूर्ति प्रवाह की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि संकट से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अल्पकालिक और संरचनात्मक उपाय आवश्यक हैं। अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हरीश ने 'एक्स' पर लिखा कि अंतरराष्ट्रीय कानून का पूरी तरह सम्मान किया जाना चाहिए। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात को विनियमित करने के लिए एक पेशेवर तंत्र की घोषणा की है। ईरानी संसद के एनएससी प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने 'एक्स' पर बताया कि यह तंत्र जल्द ही अनावरण होगा।

पश्चिम एशिया में शांति पर मतभेद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि पश्चिम एशिया संकट को समाप्त करने के लिए शांति समझौता नहीं हुआ तो बहुत बुरा समय आएगा। इस बीच, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका पश्चिम एशिया में शांति का प्राथमिक अवरोधक है। अराघची ने दावा किया कि 40 दिनों के युद्ध के बाद अमेरिका ने बातचीत का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि तेहरान में इस कदम पर गहरा संदेह है। अराघची ने अमेरिकियों पर अविश्वास व्यक्त किया और इसे किसी भी कूटनीतिक प्रयास में मुख्य बाधा बताया।

20 हजार टन LPG लेकर गुजरात पहुंचा जहाज 'सिमी'

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच 20 हजार टन एलपीजी लेकर 'सिमी' कैरियर कांडला के दीनदयाल पोर्ट पर सुरक्षित रूप से पहुंच गया है। इस जहाज ने 13 मई को होर्मुज स्ट्रेट को पार किया था। इस जहाज पर 21 क्रू सदस्य सवार हैं, जिनमें आठ यूक्रेनी और 13 फिलिपीनी हैं। मौजूदा निगरानी वाले ऑपरेशन्स में होर्मुज स्ट्रेट को पार करने वाला 'सिमी' 11वां एलपीजी टैंकर था।अधिकारियों के मुताबिक, डीजी शिपिंग और विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और पेट्रोलियम- प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच करीबी तालमेल से इतनी सुरक्षा मुमकिन हो पाई।

कच्चे तेल का भंडार घटा: ये जहाज ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बना हुआ है। पिछले कुछ महीनों में भारत का कच्चा तेल भंडार तेजी से घटा है। भंडार में लगभग 15% की गिरावट आई है।

राहुल गांधी का हमला

धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाएं या लें जवाबदेही

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाने की मांग करते हुए कहा है कि यदि उन्हें नहीं हटाया जाता है तो श्री मोदी को स्वयं इसकी जवाबदेही लेनी चाहिए।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश में कहा, 'मेडिकल प्रवेश परीक्षा का पेपर लीक होने के कारण 22 लाख बच्चों के साथ धोखा हुआ है, लेकिन श्री मोदी एक शब्द भी नहीं बोल रहे हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी को अभी हटाइए या जवाबदेही खुद लीजिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पेपरलीक की घटना से देश के 22 लाख विद्यार्थियों की दो वर्ष की मेहनत बर्बाद हो गई और पूरा देश जानता है कि नीट परीक्षा से पहले व्हाट्सएप पर प्रश्नपत्र बांटा जा रहा था। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री ने इस मामले से खुद को अलग बताते हुए संसदीय समिति की सिफारिशों को भी अनदेखा किया था। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था को वैचारिक और आर्थिक हितों की मिलीभगत से नुकसान पहुंचाया गया है।

भारत ने सिंधु जल संधि पर हेग ट्रिब्यूनल के फैसले को किया खारिज

नई दिल्ली। भारत ने सिंधु जल संधि से जुड़े मामले में हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय (सीओए) के ताजा फैसले को खारिज कर दिया है। केंद्र सरकार ने कहा कि यह तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय 'अवैध रूप से गठित'' है और उसके सभी फैसले अमान्य हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि 15 मई को जारी फैसला अधिकतम जल संचयन से जुड़ा है और यह सिंधु जल संधि की व्याख्या से संबंधित पहले के फैसले का पूरक है। उन्होंने कहा कि भारत इस फैसले को उसी तरह खारिज करता है, जैसे पहले के सभी निर्णयों को खारिज किया गया था।

सिंधु जल संधि स्थगित करने का फैसला अभी भी लागू: जायसवाल ने कहा, 'भारत ने इस तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय को कभी मान्यता नहीं दी। इसके द्वारा जारी कोई भी कार्यवाही, फैसला या निर्णय मान्य नहीं है।'' भारत ने यह भी दोहराया कि सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का उसका फैसला अब भी लागू है।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर हुई 38, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की शीर्ष अदालत में लंबित मामलों के बोझ को कम करने और न्याय प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को केंद्रीय कैबिनेट के उस फैसले को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या को 33 से बढ़ाकर 38 (मुख्य न्यायाधीश सहित) कर दिया गया है।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस फैसले की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस अध्यादेश के जरिए सुप्रीम कोर्ट अधिनियम, 1956 में संशोधन किया गया है।

इसके तहत भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 कर दी गई है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 मई को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस विस्तार का मुख्य उद्देश्य देश की सर्वोच्च अदालत को और अधिक मजबूत बनाना और आम जनता को जल्द से जल्द न्याय दिलाना है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या बढ़कर 92,000 से अधिक हो गई है।

इस वृद्धि को औपचारिक रूप देने के लिए कैबिनेट ने संसद में सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत संसद को यह अधिकार दिया गया है कि वह कानून (कानूनी संशोधन) बनाकर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या का निर्धारण कर सकती है।

मेट्रो एंकर

पश्चिम बंगाल का अनुमानित राजस्व घाटा 21,759 करोड़

वादों को पूरा करने में शुभेंदु के छूटेंगे पसीने, कर्ज में डूबा है बंगाल

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अपने पहले बजट की तैयारियों में जुटी है। लेकिन चुनावी वादों को अमलीजामा पहनाने की राह में सरकार के सामने एक बड़ी वित्तीय चुनौती खड़ी हो गई है। यदि भाजपा अपने चुनावी घोषणा-पत्र के वादों को पूरा करती है तो राज्य में सामाजिक कल्याण योजनाओं और भत्तों पर होने वाला खर्च लगभग दोगुना हो जाएगा। इन वादों में लक्ष्मी भंडार (अब अन्नपूर्णा भंडार) योजना के तहत महिलाओं को मिलने वाली मासिक सहायता में वृद्धि, बेरोजगारी भत्ते का विस्तार और सरकारी कर्मचारियों का बकाया महंगाई भत्ता (DA) शामिल है।

वर्तमान में राज्य सरकार इन कल्याणकारी योजनाओं पर लगभग 54,000 करोड़ खर्च कर रही है। इसमें डीए का बकाया शामिल नहीं है। यदि सभी तीन प्रमुख वादे लागू किए जाते हैं, तो यह वार्षिक खर्च बढ़कर 1.29 लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा। पश्चिम बंगाल की वर्तमान वित्तीय स्थिति पर गौर करें तो अनुमानित राजस्व घाटा (2026-27) 21,759 करोड़ है। वहीं, कुल कर्ज का बोझ (2026-27) 8.15 लाख करोड़ तक पहुंचने का

अनुमान है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, राज्यों के लिए कर्ज का सुरक्षित स्तर 20% से 25% माना जाता है, जबकि पश्चिम बंगाल का कर्ज इसके जीएसडीपी का लगभग 38% है। वित्त विभाग के अधिकारियों के अनुसार, योजनाओं के विस्तार और डीए भुगतान के कारण राजस्व घाटा 21,759 करोड़ से बढ़कर 31,000 करोड़ तक जा सकता है। तृणमूल कांग्रेस सरकार ने चुनाव से ठीक पहले 'युवा साथी' योजना शुरू की थी, जिसमें 1,500 प्रति माह का प्रावधान था और कुछ ही दिनों में 84 लाख युवाओं ने इसके लिए पंजीकरण कराया था। इस पर सालाना 15,000 करोड़ खर्च हो रहे हैं। भाजपा ने भत्ते की राशि को दोगुना करके 3,000 प्रति माह करने का वादा राज्य की जनता से किया है। इसके साथ ही अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ नए रोजगार और स्व-रोजगार के अवसर पैदा करने की बात कही गई है।

लक्ष्मी भंडार बना अन्नपूर्णा भंडार

ममता बनर्जी सरकार द्वारा 2021 में शुरू की गई 'लक्ष्मी भंडार' योजना का नाम बदलकर भाजपा सरकार ने 'अन्नपूर्णा भंडार' करने का पहला कदम उठा लिया है। वर्तमान में इसके तहत लगभग 2.20 करोड़ महिलाएं लाभार्थी हैं। सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1,500 और एससी/एसटी वर्ग की महिलाओं को 1,700 प्रति माह मिलते हैं। इस पर सालाना 39,000 करोड़ का खर्च आता है। भाजपा का वादा है कि सभी महिलाओं के लिए इस राशि को बढ़ाकर 3,000 प्रति माह किया जाए। इससे वार्षिक खर्च बढ़कर 79,000 करोड़ हो जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564